

१९८२१०

नेपाल राजकीय, पञ्चाङ्ग निर्णायक समिति निर्णीत गणित व्रतपर्वदि सहितम् ।

भूवेदाभ्रनेत्र २०४१ मितविक्रमाब्दस्य नेपालदेशीयं हिमाल पञ्चाङ्गम्

राजा-चन्द्रः

श्रीशालिवाहनीयशकः १९०६

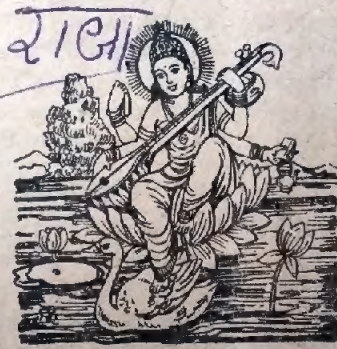
ईसवीय सन् १९८४-८५

ईश्वर नाम संवत्सरः ११

यो पञ्चाङ्ग जन्म वर्ष, पत्रिका, चिन्ता पञ्जिका,
पुस्तक आयुर्वेदीय औषधि ई सबै प्राप्त स्थान—



पञ्चाङ्गकर्ता—पं० प्राणनाथतनुज-
पद्मनाभ त्रिपाठी सि. ज्यो. आचार्य
पोखरा—अर्घौ कालिका गा. पं.
(नेपाल)



मन्त्री-शुक्रः

श्रीनेपालदेशीय संवत् ११०४-११०५

कलेर्गताब्दाः ५०८५

पञ्चाङ्गस्थापिताब्दाः ३१

सूचना—दशवर्षीयसमाप्तभयो उपलब्धतेन । पञ्चाङ्ग
परिचयमूल्यभार ४ नेरू ५।८० चिनालेखने
कुण्डलीफार्म २ कुण्डलीका १ चिनाको नेरू.
२। सैकड़ा १७५ नेरू. मात्र छ चाहना
भए मगाउनु होला । पं० प्राणनाथ त्रिपाठी
हालकोठेगाना छत्र पाटी १३।८६३ कुसुले चौर
काठमाडौं (नेपाल)

पोखरा अर्घौ कालिका गा. पं. निवासि पं० प्राणनाथ त्रिपाठीशर्मणा-प्रकाशितम्

मुद्रक—भार्गव भूषण प्रेस, त्रिलोचन, वाराणसी ।

२७/११-८३

मूल्य ने० रु० २/९०, भा० रु० २-००

श्रीशाके १९०६ श्रीसंवत् २०४१ चैत्रशुक्लपक्षः (चौलाश्व) पा. उ. फा. (अप्रैल ४ सन् १९८४) उत्तरायण वसन्तर्तुः

| वा. ति. घ. प. न. घ. प. यो. घ. प. क. घ. प. योगाः | चन्द्ररा. दि. मा. सू. उ. ता. | अ. भ. पु. विश्व ध्वजपातनम् | b मास्तो बुधः २७ |
|---|------------------------------|---|------------------|
| १. १२. ५७. ५. १८. १५. १८. २६. ३०. ३२. ४८. सिद्धि | ३२। ०. ३१. ३७. ५. ४१. १३ | आश्विन्यां १ मेषेर्जाः २३। १५ वैशाख संक्रान्तिः a | |
| २. १४. ५३. ५७. ३. १३. ५७. १०. ४४. ग. २६. ५२. उत्पात | कं. ३१. ४१. ५. ४०. १४ | भ. ५३। ५७ उ. (ठिमी वाल कुमारी यात्रा पश्चि- b | |
| आ. १५. ४८. ३२. ३. १०. नया जन्म २१. १४. मानस | ३८। २६. ३१. ४६. ५. ३९. १५ | भ. २१। १४ या. मन्वादिः वैशाख स्नानारम्भः पूर्णिमा c | |

| १ सु. मं. बु. गु. शु. श. रा. |
|------------------------------|
| १ ० ७ ० ८ ११ ६ १ |
| १ ० ० ९ २० १४ २० १५ |
| ग. ० २४ १५ ५९ २६ ३३ २१ |
| ६ ० ३५ ७ ३६ ६ ७ ४७ |
| २३ ५८ ५ ४ ३ ७ ४ ३ |
| १४ ४४ ३७ ५० २१ ३२ ४३ ११ |

| मि. वृ. मि. क. सि. कं. तु. वृ. घ. म. कुं. मी |
|--|
| ११ ५ ११ ५ ८ ११ ५ ११ ८ २ २ ८ |
| १४ ८ ५ २ १४ ५ ८ १४ ५ ८ ८ ५ |
| १४ ८ ११ ५ ८ ११ ८ १४ २ ५ ५ २ |
| २ ११ ८ ८ २ ८ ११ २ ११ ५ ५ ११ |

आय व्ययी समीकृत्वा एकहीनंतुकारयेत् अष्टभिस्तुहरेद भागं शेषां फलमादिशेत्
आय वि० १ लाभ २ सौख्य ३ क्लेश ४ रोग ५ लोकापवाद ६ सन्मान ७ विजय ८ हानि शेष अंक
व्यय... वाटजान्नु विध्याचलवाट दक्षिणविशोत्तरी उत्तर अष्टोत्तरीवाट विचारगर्तु ।

| मेघविषुवतनक्षत्राणि | फलचोमयोः | तुलाविषुवत् नक्षत्राणि |
|-------------------------|--------------------|-------------------------|
| आ. पु. ति. अ. म. पू. उ. | शोर्षे-भूलाभः | अ. भ. कु. रो. म. आ. पु. |
| कु. रो. म. | मुखे-पांडित्यम् | पू. उ. रे. |
| पू. उ. रे. अ. भ. | हृदि-धनलाभः | पू. उ. श्र. घ. श. |
| श्र. घ. श. | दक्षकरे-स्त्रीलाभः | अ. ज्ये. म. |
| मू. पू. उ. | वामकरे-भैक्षम् | चि. स्वा. वि. |
| वि. अ. ज्ये. | दक्षपादे-भ्रमणम् | पू. उ. ह. |
| ह. चि. स्वा. | वामपादे-कष्टम् | ति. अ. म. |

| १ सु. १, ३ मं. ७, |
|----------------------------------|
| रा. २ १२ शु. |
| ३ १ सु. बु. ११ |
| ४ १० |
| ५ श. ७ ९ वृ. |
| ६ ८ मं. के |
| मं. व. उ. बु. व. २ अ. वृ. मा. उ. |
| शु. मा. उ. पू. न. व. उ. |

ग्रहगोचर दशावाट अनिष्टग्रहको दान जप गनं पदी—सूर्यको गहुँ गुड मसुरो रक्त चन्दन सुन गौ माणिक दान जप ७००० शिवपूजन । चन्द्रमाको दान वंशपात्र कपुर दहि चामल श्रीखण्ड कपुर सेतो कपडा मोतिदान जप १०००० देवीपूजा । मंगलको दान गहुँ गुड मसुरो रक्त चन्दन रक्त वस्त्र रातो बहर सुन मुगादान जप १०००० गणेशपूजा । बुधको दान मास घ्यू कस्तुरी हरियो वस्त्र हाति दान जप ८००० विष्णु पूजा । बृहस्पतिको दान पहलो धान हलेदो नुन चिनी पीत वस्त्र सुन पुष्पराज दान जप १९००० कुलदेवता पूजा । शनीको दान चामल श्रीखंड चांदी चित्र वस्त्र सुन हीरा दान जप १५००० इन्द्राणी पूजा । शनिको दान मास तिल तेल गहत फलाम निलो वस्त्र भैसी दान जप २३००० पिपल पूजा । शनीको दान मास गहत तिल तेल खड्ग नीलो वस्त्र भेडो सुन गोमेद दान जप १८००० भैरव पूजा । केतुको दान मास तिल तेल नुन कालो वस्त्र कंवल सुन वैदूर्य दान जप ७००० व पूजा मुखार योगिनी दशाको निमित्त घ्यू मह चिनी ताम्र पात्र ३ पाटको कण्डा सुन दान जप २७००० भगवती पूजा गर्तु पछि सामान्य गौ सुवर्ण दान ब्राह्मण भोजन रुद्री चंडी कन्याकुमारी पूजा भोजन गराए पनि हुन सक्छ । C अतम् हनुमज्जयन्ती वालाज्यू स्नान रेवत्यांशुकः ११ पुनस्तुलायां भौमः ४२। १५

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| २ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
|---|---|---|---|---|---|

अधनिष्ठा पञ्चकपुतिः ४४।५४ पुनर्विशा बायां २ भीमः ४५
(वृगन्तव्यं) विशाल नगरेदेवी यात्रा अश्विन्यां २ अर्कः ४६
त्रिपुष्करः ४।२ उ. ३९।३६ या. m सप्तमी व्रतम्
भ. ८।० उ. ३६।२५ या. (सकोया)
वृषे सायनार्कः ५५
अश्विन्यां ३ अर्कः १३ वक्रेण स्वात्यां ४ शनिः ४३
भ. ३३।४७ उ.
भ. ४।३५ या. त्रिपुष्करः ५।१८ उ. ३५।२४ या. रवि m
सोमाष्टमी व्रतम् अश्विन्यां ४ अर्कः ४८
धनिष्ठा पञ्चकारम्भः ४७।०
भ. १४।२८ उ. ४६।४९ या. अश्विन्यां १ मेषे शुक्रः ५९।८
वरुणिनी ११ व्रतम्
भरण्यामर्कः ४ f दर्शः वक्री गुरुः ५४
शनि प्रदोष व्रतम् वक्रेण रेवत्यां ४ मीने बुधः ४९।२१
भ. १।५० उ. ३३।४९ या. (माताति चह्ले पूजा) a
दर्श श्राद्धम् भरण्यां २ अर्कः ३० पुष्योदितोऽजः ३०
(मे. ५ ता. ३१) मातातीर्थ स्नानम् स्नान दानादौ f

| वै. | सू. | मं. | व. | ग. | शु. | शु. | शु. |
|-----|-----|-----|----|----|-----|-----|-----|
| वै. | ० | ६ | ० | ८ | ० | ६ | ० |
| १९ | १३ | ७ | ० | २१ | १ | ११ | ११ |
| ग. | १३ | २५ | २६ | २१ | ४४ | २१ | २१ |
| २५ | १४ | १४ | ११ | ११ | ११ | ११ | १० |
| २५ | ११ | ११ | २५ | ० | ७४ | १५ | १५ |
| ७४ | ११ | ४३ | ४२ | ३६ | १५ | १५ | १५ |

१३ शु. १, १६ बु. १२

| | |
|-------|-----------|
| रा. २ | शु. १२ |
| ३ | सू. बु. १ |
| ४ | १० |
| ५ | ७मं. शा. |
| ६ | ८ के. |

म. व. उ. वृ. व. १८ उ. वृ.
व. उ. शु. मा. उ. पू. श. व.

अथ छिका शकुनाहः—छिका प्रश्नं प्रवक्ष्यामि पूर्वस्यामशुभं फलम् । आशेष्यांशोक्तुञ्च स्यादरिष्टं दक्षिणे तथा ॥ नैऋत्यां च शुभं प्रोक्तं शिवमेष्टभक्षणम् । वायव्ये घनलाभस्तु चोत्तरे कलहस्तथा ॥ इत्याद्यां च शुभं ज्येष्ठांश्च छिका महद्भयम् । उर्ध्वं चैव शुभं ज्येष्ठं मध्ये चैव महद्भयम् । मघने शयने चैव दाने चैव तु भोजने । वामांगे पृष्ठश्चैव षट्छिकाश्च शुभावहाः । यो अमावास्यामा आमाहुनेले खानपान वस्त्रादिले मातु संतोष उने, नहुनेले स्नान, दान तर्पण सिद्धा दक्षिणा ब्राह्मण भोजन, गङ्गाउत्त मातु ऋण वाट मुक्त हुनु हो ।

वि. संवत् २०४१ श्रीशाके १९०६ वैशाख शुक्लपक्षः (वछलाथ्व) पा. ३. रो. श्ले. म. स्वा. वि. अनु. (मई ५) उत्तरायणं वसन्तर्तुः ग्रीष्मर्तुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगः | चन्द्ररा. | वि. | मा. | सू. | उ. | ता. |
|--------|-----|-----|----|-------|----|----|-------|-----|----|-----|----|----|----------|-------|-----------|-----|-----|-----|----|-----|
| २० बु. | १ | १० | २७ | कु. | ५५ | ४६ | सो. | ३१ | १७ | वा. | ४० | ४० | सिद्धि | ५१५८ | ३२ | ४५ | ५ | २७ | 2 | |
| २१ वृ. | २ | १० | ५४ | रो. | ५६ | ५८ | शो. | २८ | ४३ | ते. | ४० | २८ | उत्पात | वृ. | ३२ | ४८ | ५ | २६ | 3 | |
| २२ शु. | ३ | १० | ३३ | मू. | ५६ | ५६ | अ. | २५ | ८५ | ब. | ३९ | ३ | मानस | २६१५७ | ३२ | ५१ | ५ | २६ | 4 | |
| २३ श. | ४ | ८ | ३३ | आ. | ५५ | ४९ | सु. | २० | ३९ | ब. | ३६ | २९ | गुद्गर | मि. | ३२ | ५५ | ५ | २५ | 5 | |
| २४ आ. | ५ | ४ | ५५ | पु. | ५३ | ४६ | घृ. | १५ | १८ | को. | ३२ | ५३ | ध्वज | ३९११७ | ३२ | ५८ | ५ | २४ | 6 | |
| २५ सो. | ६ | ४ | ५५ | ति. | ५० | ५४ | शु. | ९ | १३ | ग. | २८ | २६ | वाता | क. | ३३ | १ | ५ | २४ | 7 | |
| २६ मं. | ८ | ५० | ३४ | अ. | ४७ | २६ | ग. | ३३ | ३३ | भ. | २३ | १७ | आनन्द | ४७१२६ | ३३ | ४ | ५ | २३ | 8 | |
| २७ बु. | ९ | ४४ | ४१ | म. | ४३ | ३३ | भु. | ४७ | ५८ | बा. | १७ | ३७ | चर | सि. | ३३ | ७ | ५ | २३ | 9 | |
| २८ वृ. | १० | ३८ | ३५ | पु. | ३९ | २६ | व्या. | ४० | १८ | ते. | ११ | ३८ | गद | ५३१२४ | ३३ | ११ | ५ | २२ | 10 | |
| २९ शु. | ११ | ३२ | २९ | उ. | ३५ | १८ | ह. | ३२ | ३८ | व. | ४३ | ३३ | शुभ | कं. | ३३ | १४ | ५ | २१ | 11 | |
| ३० श. | १२ | २६ | ३५ | ह. | ३१ | २४ | व. | २५ | ११ | को. | ५३ | ४९ | मृत्यु | ५९१२८ | ३३ | १७ | ५ | २१ | 12 | |
| १ आ. | १३ | २१ | ४ | चि. | २७ | ५३ | सि. | १८ | २ | ग. | ४८ | ३५ | पद्म | तु. | ३३ | २० | ५ | २० | 13 | |
| १ सो. | १४ | १६ | ६ | स्वा. | २४ | ५८ | व्य. | ११ | २१ | भ. | ४४ | ० | छत्र | तु. | ३३ | २३ | ५ | १९ | 14 | |
| १ म. | १५ | ११ | ५४ | वि. | २२ | ४९ | व. | ४३ | १५ | वा. | ४० | १५ | श्रीवत्स | ८१२० | ३३ | २७ | ५ | १९ | 15 | |

(बुंगया) चन्द्रोदयः २ शंकराचार्य जयन्ती
 परशुराम जयन्ती भरण्यां ३ अर्कः ५६ मार्गो बुधः ४७
 भ. ३९१३ उ. अक्षयतृतीया श्रैतायुगादिधर्म घटादि दानम्
 भ. ८३३ या. (पाटनमा मःस्थेन्द्रनाथ ख्यात्रा) आद्य २
 भरण्यां शुक्रः ४६ b मार्गेणदसे १ मेघे बुधः ४७४४५
 भ. ५६१० उ. गङ्गा सप्तमी भरण्यां ४ अर्कः २३
 भ. २३१७ या. भौमाष्टमी व्रतम् श्रीपञ्चपतेदमनार्णम् b
 श्री सीता जयन्ती d कूर्म जयन्ती
 कृत्तिकायां १ अर्कः ५१ वक्रेण विशाखायां १ भौमः १२
 भ. ५३३ उ. ३२१२९ या. मोहिनी ११ व्रतम्
 शनि प्रदीप व्रतम् अगस्त्यास्तः ३९ पूर्वास्तः शुक्रः २०
 नृसिंह जयन्ती c ज्येष्ठ संक्रान्तिः पूर्णिमा व्रतम् d
 भ. १६६ उ. ४४१० या. कृत्तिकायां २ वृषेऽर्कः १८ १२८ c
 श्रृङ्गी पूर्णिमा बौद्ध जयन्ती (स्याया पुन्ही) वन्दिकास
 s पुरे चण्डेश्वरी यात्रा

| ५ | सू. | मं. | वृ. | वृ. | शु. | श. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| बै. | ० | ६ | ११ | ८ | ० | ६ | ९ |
| २२ | २० | २५ | २८ | २१ | १० | १८ | १४ |
| ग. | २७ | १३ | ५१ | २९ | २४ | ५४ | १४ |
| ६ | ६ | ३४ | ५५ | ३० | २१ | ९५ | ८ |
| २४ | ५८ | १६ | १४ | ० | ७४ | ५ | ३ |
| ० | ० | ८ | १५ | ५० | १० | १० | ११ |

| ५ | सू. | मं. | वृ. | वृ. | शु. | श. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| बै. | ० | ६ | ० | ८ | ० | ६ | ९ |
| २१ | २७ | २३ | २२ | १९ | १८ | १३ | १३ |
| ग. | १२ | ३ | १७ | २० | २१ | ५२ | २ |
| ६ | ५५ | २ | २६ | ३३ | ४८ | ५९ | ४३ |
| २४ | ५७ | १६ | ५२ | २७ | ४ | ५ | ३ |
| १३ | ४९ | ८ | ४२ | २१ | ० | ९ | ११ |

अथ वैशाख शुक्ल तृतीयायां कर्तव्य विचारः यसमा स्नानदान जप तप जो गरिष्ठ त्यसको अक्षय फल हुन्छ, यसैले अक्षय ३ नाम रहेको हो ।
 उत्तर्पणयुगादि श्राद्ध यवार्चन यवदान यव(जी)को सत्तु व्यंजनदि उष्ण कालमा हितकर-छत्र उपानह दण्ड कमण्डलु कठपाद हत्यादि दान गर्नाले
 बर्गो मिल्दछ । वैशाखमासे नियमाः- वैशाखमा-एक भक्त वा, नक्त कदाचित कुनै नियमले भोजन, प्रातः स्नानदान पिपल दर्शन पूजन प्रदक्षिणा
 जापण, गो सेवा गर्नाले पापनाश भै कुलको उद्धार हुन्छ । स्नान मन्त्रः- मधु हुन्तु प्रसादेन ब्राह्मणानामनुहात् । निविक्तमस्तु मे पुण्यं वैशाख-
 स्नानमन्वहम् । वैशाखे मेघगे भानी मुरारे मधुसूदन । प्रातः स्नानेन मे नाथ फलदो भव पापहन् ॥

श्रीशके १९०६ धोसं० २०४१ ज्येष्ठकृष्ण पक्षः (वछलागा) पा० अनु. अभि. श्र, श, २, रो. (५ मई सन् ८४) (उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः)

| ग. वा. ति. व. प. न. घ. प. यो. घ. प. क. घ. प. योगा | च. रा. दि. मा. सू. उ. ता. | |
|---|---------------------------|----|
| ३ बु. १ ८३६ अ. २१३८ मि. ५५ २५ तै. ३७ ३० सौम्य | बृ. ३३ ३० ५ १८ १६ | १६ |
| ४ बु. २ ६२४ ज्ये. २१३३ मि. ५१ ५० ब. ३५ ५३ काल | २१ ३३ ३३ ३३ ५ १७ १७ | १७ |
| ५ शु. ३ ५२२ मृ. २२३७ सा. ४९ १५ ब. ३५ २९ स्थिर | ध. ३३ ३६ ५ १७ १८ | १८ |
| ६ श. ४ ५३६ पु. २४५७ शु. ४७ ४० को. ३६ २९ मातृज्ज | ४० ५० ३३ ३८ ५ १६ १९ | १९ |
| ७ आ. ५ ७६ उ. २८३० शु. ४७ ५५ ग. ३८ २७ अमृत | म. ३३ ४१ ५ १६ २० | २० |
| ८ सो. ६ ९४८ अ. ३३ १२ ब. ४७ २० म. ४१ ४१ निद्रि | म. ३३ ४३ ५ १५ २१ | २१ |
| ९ मं. ७ १३३४ घ. ३८ ५४ तै. ४८ १८ वा. ४५ ५१ उत्पात | ६३ ३३ ४५ ५ १५ २२ | २२ |
| १० बु. ८ १८८ म. ४५ ९ वै. ४९ ४४ तै. ५० ४० मानस | कुं. ३३ ४७ ५ १५ २३ | २३ |
| ११ बृ. ९ २२३ १२ पु. ५१ ४४ वि. ५१ २८ व. ५५ ४४ मुग्ध | ३५ ४३ ३३ ४९ ५ १४ २४ | २४ |
| १२ शु. १० २८ १७ उ. ५८ ११ प्रो. ५३ ० ब. ६० ० ध्वक्ष | मी. ३३ ५१ ५ १४ २५ | २५ |
| १३ श. ११ ३२ ५ उ. ६० ० आ. ५४ ७ ब. ० ३७ घाता | मी. ३३ ५३ ५ १३ २६ | २६ |
| १४ आ. १२ ३६ ५२ तै. ४ ३ सो. ५४ ३४ को. ४ ५४ वदं | ४३ ३३ ५४ ५ १३ २७ | २७ |
| १५ सो. १३ ३९ ४६ अ. ९ २ जा. ५४ १३ ग. ८ १९ रक्ष | मे. ३३ ५५ ५ १३ २८ | २८ |
| १६ मं. १४ ४१ २९ म. १३ १ अ. ५२ ५४ म. १० ३७ मुसल | २८ ४१ ३३ ५७ ५ १३ २९ | २९ |
| १७ बु. १५ ४१ ५५ कु. १५ ४२ सु. ५० ३६ च. ११ ४२ सिद्धि | बृ. ३३ ५८ ५ १२ ३० | ३० |

*सम शुभदृष्ट । दातसहित जन्मेको र माथिल्ला पक्ति-
 १ वाट आएको भए अशुभ दृष्टिर्भाति गनलि शुभ दृष्टि ।
 भ. ३५।५३ उ. कृत्तिकायां ३ अर्कः ४७ कृत्तिकायां शुक्रः ३६
 भ. ५।२२ या. b पुनः स्वात्यां ४ भौमः ३३
 a भरण्यां बुधः ९ रोहिण्यां १ राहुः अनु. ३ केतुः ४१ b
 कृत्तिकायां २ वृषे शुक्रः १८।४ मिथुने सायनाकः ५७
 भ. ९।४८ उ. ४१।४१ या. कृत्तिकायां ४ अर्कः १५ a
 अष्टमीव्रतम् धनि. पं. प्रा. ६।३ द्विपुंकरः १३।३४ या.
 भ. ५५।४४ उ. रोहिण्यां १ अर्कः ४५
 भ. २८।१७ या.
 अपरा ११ व्रतम्
 धनिष्ठा पञ्चक पूर्तिः ४।३
 भ. ३९।४६ उ. सोम प्रदोषव्रतम् रोहिण्यां २ अर्कः १३ f
 भ. १०।३७ या. (सिठीचह्ने) कृत्तिकायां बुधः ४२
 दर्श श्राद्धम् वट सावित्री व्रतम् रोहिण्यां शुक्रः २५

| ६ मं. बु. वृ. शु. वा. | |
|--|--|
| ज्ये. १ ६ ० ८ ० ६ | |
| ५ ३ २० ९ २१ २७ १७ | |
| ग. ५५ ४९ ४१ ३४ ० ४५ | |
| ६ ४५ ५० २३ ३४ ६ २७ | |
| २५ ५७ १२ ७९ ३ ७३ ५ | |
| २४ ३८ ५२ ३२ ५३ ५३ २ | |
| ७ मं. बु. वृ. शु. वा. | |
| ज्ये. १ ६ ० ८ १ ६ | |
| १२ १० १८ १९ २० ६ १७ | |
| ग. ३८ ५७ ४२ ३५ १७ १२ | |
| ६ १७ ५९ ५८ ३० ४९ ४४ | |
| २४ ५७ १ ९३ ४ ७३ ४ | |
| ३२ २८ ८ ५३ ५० ४७ ४६ | |
| ७ शु. २ | |
| ३ १ बु. शु. | |
| ४ २ सु. रा. | |
| ५ ११ | |
| ६ ८ के. | |
| ७ मं. प्रा. ९ बु. | |
| मं. व. उ. बु. मा. उ. वृ. व. श. मा. अ. पू. श. व. उ. | |

अत्र हामावास्यां वटपूजे सावित्रीपूजनव्रत प्रदक्षिणां सप्तवारसूत्रेण वेष्टनं च कृत्वा त्रिरात्रोपवासंतदशकौनक्तमेक भक्तं वा अवैधव्य कामासिध्याकुपुः
 ममा नारीले अवैधव्यका निमित्त स्नानदानं गर्नु योग्यं छ। अथ गण्ड नक्षत्रजनन फलम्-तत्परिहारञ्च-रेवती अश्विनी तिष्य अश्लेषा मघा मृगशिरामूल
 निनक्षत्रगण्ड इति नक्षत्रमा जन्मेका बालकले पिता-माता दाज्यूलाई अनिष्ट गर्छ, यसको शास्त्रयर्थ बालक जन्मना साथ गो प्रसवगराउनुनाले भाति
 छ। अर्थात् जन्मना साथ गोकोग्रहृत गोबर मा लटपटाई धोयी पखाली गर्नु पर्छ ॥ अथ बालका दन्तजननफलम् । पहिला मासमा दात आये भने बालक
 फेलाई अनिष्ट । २।३ मासमा आए भाईवह्नीलाई अनिष्ट बोध्या मासमा मातृकष्ट । ५ मासमा ज्येष्ठ भाइलाई अनिष्ट गर्छ ६ मासदेखि वर्ष दिन

श्री शके १९०६ श्री संवत् २०४१ ज्येष्ठ शुक्लपक्षः (तछलाथ्व) पा. रो. इले. स्वा. अनु. (मई ५ जून ६) उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः

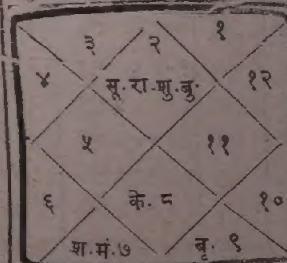
| ग. | बा. | ति. | घ. | प. न. | घ. | प. | यो. घ. | प. | क. | घ. | प. | योगा: | चन्द्ररा. | वि. | मा. | सु. | उ. ता. | |
|--|------|-----|-------|-------|----|------|--------|----|-----|----|----|---------|-----------|-----|-----|-----|--------|----|
| १८ वृ. | १४१ | ५ | रो. | १७ | ८ | घु. | ४७ | १७ | कि. | ११ | ३९ | उत्पात | ४७ | १४ | ३३ | ५९ | ५१२ ३१ | |
| १९ शु. | २३९ | ३ | मृ. | १७ | २१ | शु. | ४३ | १ | बा. | १० | ३ | मानम | मि. | ३४ | १ | ५१२ | १ | |
| २० श. | ३३५ | ५ | आ. | १६ | २९ | गं. | ३७ | ५ | तै. | ७ | २८ | मुद्गर | मि. | ३४ | २ | ५१२ | २ | |
| २१ आ. | ४३१ | ४ | पु. | १४ | ३६ | बु. | ३१ | ५ | व. | ५ | ३१ | हवज | ० | ३४ | ३ | ५११ | ३ | |
| २२ सो. | ५२६ | ५ | ति. | ११ | ५४ | धु. | २५ | २७ | को. | ५४ | ११ | धाता | क. | ३४ | ५ | ५११ | ४ | |
| २३ मं. | ६२१ | २ | अ. | ८ | ३२ | व्या | १८ | २६ | ग. | ४८ | २८ | आनन्द | ८ | ३२ | ३४ | ६ | ५११ | ५ |
| २४ बु. | ७१५ | ३ | म. | ४ | ४३ | ह. | ११ | ४ | म. | ४२ | २६ | चर | मि. | ३४ | ८ | ५१० | ६ | |
| २५ वृ. | ८११ | ४ | पु. | ८ | ५३ | ब. | ३ | ३७ | वा. | ३६ | १६ | गद | १ | ४३ | ३४ | ९ | ५१० | ७ |
| २६ शु. | ९०६ | ५ | ह. | ५ | ६३ | व्य. | ४८ | १९ | ते. | ३० | ११ | अमृत | कं. | ३४ | १० | ५१० | ८ | |
| २७ श. | १००१ | ३ | चि. | ४ | ७० | व. | ४१ | ८ | व. | २४ | २४ | काण | २ | ०३ | ३४ | १२ | ५१० | ९ |
| २८ आ. | १०९६ | ३ | स्वा. | ४ | ७५ | प. | ३४ | २१ | व. | १९ | ४ | लुम्ब | तु. | ३४ | १३ | ५१० | १० | |
| २९ सो. | ११९२ | १ | वि. | ४ | ८३ | शि. | २८ | ९ | कौ. | १४ | २३ | मित्र | २ | ८५ | ३४ | १४ | ५१० | ११ |
| ३० मं. | १२८८ | ५ | अ. | ४ | ९१ | सि. | २२ | ४० | ग. | १० | ३२ | वज्र | वृ. | ३४ | १५ | ५१० | १२ | |
| ३१ बु. | १३८६ | २ | ज्ये. | ४ | ९६ | सा. | १८ | ० | मं. | ७ | ३९ | ध्वाक्ष | ४ | १३ | ३४ | १७ | ५१० | १३ |
| <div> <div>दशहरा स्नानारम्भः रोहि. ३ अर्कः ४४ वक्रेण पूषाया २ अ</div> <div>चन्द्रोदयः (जून द्ता. ३०) ० ज्यापुल्ली मृगमे ३ मिथुने १</div> <div>स्वाध्यां ३ शनिः २ १ शुक्रः ३ रक्तिकायां २ वृषे बुधः ३ ८ ७</div> <div>म. ३ ५ १ ३ ३ १ ४ ८ ५</div></div> | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

अथ दशहरा स्नानम्—यो प्रतिपदादेखि १० मी सम्म दशहरा हुन्छ, यसमा प्रतिदिन तदशक्तौ दशमीमा गङ्गा नदी वा जलाशयमा स्नान गरी पूजागर्नु, तन्मन्त्र—नमो भगवत्यै दशपापहरायै गङ्गायै नारायण्यै रवत्यै शिवायै दक्षायै अमृत्यै विश्वरूपिण्यै ते नमोनमः । अथ नववधूपति-निवास विचार—विवाह भएपछि पतिगृहमा रहँदा प्रथम—आषाढमा शाशू, ज्येष्ठमा जेठान्, पौषमा शशूर, मलमासमा पति, अयमासमा थाफैलाई ष्ट गर्दैछ, चैत्रमा—माईतमा नवस्नु पितालाई अनिष्ट हुन्छ । अथ स्वप्नशांति—नराज्ञो स्वप्ना देखियो भने भरसक फेरी निदाउनु, उठेर जलाशयमा गएर गनुं, विद्वान्सज्जनलाई सुनाई आशीर्वाद लिनु, पीपल गौको दर्शन यथाशक्य गोसुवर्ण द्रव्य दान स्वप्नाध्याय सुत्नु वा पाठ गर्नु अशुभ फलनाश हुन्छ ।

| ८ सु. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | |
|-------|-----|-----|-----|-----|----|-----|----|
| ज्ये. | १ | ६ | १ | ८ | १ | ६ | १ |
| १९ | १७ | १७ | १ | १९ | १४ | १६ | १२ |
| ग. | १९ | ३९ | २० | ५५ | ५५ | ४४ | ४५ |
| ६ | ८ | ५७ | ० | १३ | ४७ | ८ | ५५ |
| २४ | ५७ | ३ | १०३ | ५ | ७३ | ४ | ३ |
| ३४ | १९ | ५८ | १८ | ५४ | ४३ | २२ | ११ |

| ९ सु. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. | |
|-------|-----|-----|-----|-----|----|-----|----|
| ज्ये. | १ | ६ | १ | ८ | १ | ६ | १ |
| २६ | २३ | ४६ | १३ | १९ | २३ | १६ | १२ |
| ग. | ५८ | ४६ | ५४ | ३० | १७ | २३ | २३ |
| ६ | ५७ | २५ | ६४ | ५४ | १३ | ६३ | ३ |
| २४ | ५७ | ३ | १०९ | ६ | ७३ | ३ | ३ |
| ३५ | १२ | २३ | ३१ | ५७ | ७३ | ५३ | ११ |

| | | |
|----------|-----------------|-------|
| ३ | २ | १ |
| ४ | सू. रा. शु. बु. | १२ |
| ५ | | ११ |
| ६ | के. न | १० |
| श. मं. ७ | | शु. ९ |



मं. २८ मा. उ. बु. रा. २२ अ.
वृ. व. उ. शु. मा. अ. पू. श.
व. उ. १८ बु. २, ३१ शु. ३

| | | | | | |
|-----|---------|-----|-----|-----|----|
| १० | सु. मं. | बु. | वृ. | शु. | श. |
| धा. | २ | ६ | १ | ५ | ५ |

[illegible]

शाके १९०६ श्री संत् २०४१ आषाढ शुक्ल पक्षः दिल्लाथ्व) पा. श्ले. स्वा. वि. अनु. मू. (जून ६ जुलाई ७) उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः

| ग. वा. ति. घ. प. न. घ. प. यो. घ. प. क. घ. प. | योगाः | चन्द्ररा. दि. मा. मू. उ. ता. |
|---|---------------------|------------------------------|
| १७ ग. १ ५ १७ पु. ३४ ५ ५ वा. ३३ १४ छत्र | २०१८ ३४ १७ ५ ९ ३० | |
| १८ आ. २ ५ १८ ति. ३२ २१ ह. ४८ ५० तै. २८ ४६ श्रीवत्स | क. ३४ १५ ५ ९ १ | |
| १९ सो. ४ ५ ० ५ अ. २९ ६ व. ४१ ५३ व. २३ ३५ सौम्य | २९१ ६ ३४ १४ ५ ९ २ | |
| २० म. ५ ५ ४ ५ म. २५ २१ सि. ३४ ३५ व. १७ ५२ काल | सि. ३४ १३ ५ ९ ३ | |
| २१ बु. ६ ३ ८ ४ पु. २१ १६ व्य. २७ ० कौ. ११ ४८ स्थिर | ३५१ १३ ३४ ११ ५ १० ४ | |
| २२ व. ७ ३ २ ३ उ. १७ ५ व. १९ २१ ग. ५ ३ ३२ मातङ्ग | क. ३४ १० ५ १० ५ | |
| २३ शु. ८ २ ६ २ ह. १३ १ प. ११ ४८ बा. ५ ३ ३६ अमृत | ४११ ९ ३४ ९ ५ १० ६ | |
| २४ श. ९ २ ० ४ जि. ९ १७ शि. ५ ३ ३३ तै. ४८ १२ काण | तु. ३४ ७ ५ ११ ७ | |
| २५ आ. १० १ ५ ३ स्वा. ६ १ सा. ५ १ २२ व. ४३ २५ लुम्ब | ४९१ ७ ३४ ६ ५ ११ ८ | |
| २६ सो. ११ १ १ १ वि. ३ २९ शु. ४५ ४२ व. ३९ २८ मित्र | वृ. ३४ ५ ५ ११ ९ | |
| २७ म. १२ ७ ४ अ. १ ४८ शु. ४० ५३ कौ. ३६ ३० वज्र | वृ. ३४ ३ ५ ११ १० | |
| २८ बु. १३ ५ १६ ज्ये. १ ११ व. ३६ ५७ ग. ३४ ३८ ध्वाक्ष | ११११ ३४ २ ५ १२ ११ | |
| २९ व. १४ ४ ० मू. १ ३८ ऐ. ३४ ० भ. ३३ ५९ धूम्र | घ. ३४ १ ५ १२ १२ | |
| ३० शु. १५ ३ ५ पु. ३ २१ वै. ३२ ० बा. ३४ ३७ यङ्ग | १९१ ५ ३३ ५९ ५ १२ १३ | |

a ३४५४ या.
चन्द्रोदयः पुनर्वसो शुक्रः २ विपुलकरः ५१७ उ. a
(जुलाई ७ ता० ३१) श्री जगन्नाथ रथयात्रा
भ. २३।३० उ. ५०।५१ या. आर्द्रायां ४ अर्कः १८ b
c (दिलापुन्ही) दत्तारम्भः पुनर्वसो २ अर्कः २०
तिष्ये बुधः ५० b पुनर्वसो ४ कर्के बुधः ५७।१७
भ. ३२।३० उ. ५९।२८ या. पुनर्वसो १ अर्कः ४९ c
अष्टमी व्रतम् ० देवपत्तेन गंगा रथयात्रा सूर्यपूजा
मार्गोणपुनर्विशाखायां १ भौमः ५६ पश्चिमोदिता बुधः २८
भ. ४३।२५ उ. पुनर्वसो ४ कर्के शुक्रः १३।२२ मन्वादिः
भ. ११।१३ या. हरिश्चयो ११ व्रत ५ चातुर्मास्य d
प्रदोष व्रतम् (तुलसी पीये) तिष्ये शुक्रः ५७
f अर्कः ५१ सापे बुधः ३५ मार्गो शनिः ४
भ. ४।० उ. ३३।५९ या. पूर्णिमा व्रतम् पुनर्वसो ३ f
मन्वादिः गुरु पूजा श्री पशुपतेर्गुरुदक्षिणा मूर्तिपूजा ०

| १३ सु. म. बु. उ. शु. श. रा. |
|-----------------------------|
| भा. २ ६ ३ ८ २ ६ १ |
| २३ २० १८ ६ १५ २७ १५ १० |
| ग. ३३ ३० ५ ३३ ४६ १५ ५४ |
| ६ १८ ३६ ५० ५८ ३८ ५८ ३७ |
| २४ ५६ १९ १० ५ ८ ३ १ ३ |
| २३ ५४ १२ ५९ ५ २ ५ १२ ११ |
| १४ सु. म. बु. उ. शु. श. रा. |
| भा. २ ६ ३ ८ २ ६ १ |
| ३० २७ २१ १८ १४ ६ १५ १० |
| ग. ११ ३१ ३० ३८ १९ ११ ३२ |
| ६ २२ १६ ३५ ११ ४९ ४४ २० |
| २४ ५९ २२ ९७ ७ ७ ३ ० ३ |
| १५ ५९ २२ ५८ ५ १ २ ५ १७ ११ |

१९ बु. ४, २५ शु. ४

| | |
|----------|-----------|
| बु. ४ | २२। |
| ५ | ३ सु. शु. |
| ६ | १२ |
| मं. ७ | ९ वृ. |
| श. ८ के. | ११ |
| | १० |

मं. मा. उ. बु. मा. २४ उ. वृ. व. उ.
शु. मा. उ. प. श. २९ मा. उ.

शेष पू. ३१ का वृष राशि हुने को ताम्र पाद शनि फल-स्त्रीपुत्र सुख संपत्ति सिद्धि लाभ दिने । विशेष साढे साती अढैया शनि हुने लाई दिने छ ।
अथ चातुर्मास्यव्रतारम्भः—विधिवत्संकल्पपूर्वकं कृत्वा प्रार्थयेत् । प्रार्थना मन्त्रः—इमे करिष्ये नियमनिर्विघ्नं कुरुमेऽन्यत । इदं व्रतं मया देवगृहितं
रतस्त्व निर्विघ्नं सिद्धिमायान्तरप्रसादात्तत्त्वकेशव । गृह्णतेऽस्मिन्व्रते देव पंचत्वं यदि मे भवेत् । तदा भवतु तत्सर्वं त्वत्प्रसादाज्जनादितः ॥ चातुर्मास्येत्याज्य-
वायोः—आवणशाकं भाद्रपदेदधि आश्विने दुग्धं कार्तिके द्विदलं (मासादि) चातुर्मास्ये मधु गुड मांस तैल कुलत्थ मूलकं कुष्मांड क्षीरकर्म खट्वा शयनं
द्विरीफलम् एतानि परिजयेत् ॥ (शेषपृष्ठ ३७ का) मनाई प्रतिमा ब्राह्मणलाई दान दिनु । पौर्णिमा हनुमानजी को जन्म दिन हो यसमा हनुमानको
जा गरी जन्म जयन्ती मनाइनाले वानरको भय हुदैन (यो कहि प्रचलित छ) चैत्रमा विचित्र शयन आसनका सामग्री दानको पनि महात्म्य छ ।

श्रीशके १९०६ श्रीसंवत् २०४१ श्रावणकृष्णपक्षः (दिल्लागा) पा० घ. श. ह. ति. रले. (जुलाई ७) उत्तरा ग्रीष्म, दक्षिणायन वर्षर्तुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगः | चन्द्ररा. | वि. | मा. | सू. | उ. | ता. |
|------|-----|-----|----|----|----|-----|----|-------|------|----|-----|-----|----|------|-----------|------|-----|-----|----|-----|
| ३१ | श. | १ | ५ | १५ | उ. | ६ | २० | वि. | ३१ | ४ | तै. | ३६ | २९ | चर | म. | ३३ | ५८ | ५ | १२ | १४ |
| ३२ | आ. | २ | ७ | ४४ | अ. | १० | २७ | प्रो. | ३० | ५ | न. | ३९ | ३० | गद | ४२ | ५३ | ३३ | ५७ | ५ | १३ |
| प्र. | १ | सो. | ३ | ११ | १६ | घ. | १५ | ४० | आ. | ३१ | ४३ | व. | ४३ | २९ | शुभ | कुं. | ३३ | ५५ | ५ | १३ |
| | २ | मं. | ४ | १५ | ४२ | श. | २१ | ३८ | सौ. | ३२ | ५८ | को. | ४८ | ७ | मृत्यु | कुं. | ३३ | ५४ | ५ | १३ |
| | ३ | बु. | ५ | २० | ३५ | पु. | २८ | ५ | शो. | ३४ | ३५ | ग. | ५३ | ४ | पद्म | ११ | २७ | ३३ | ५३ | ५ |
| प्र. | ४ | वृ. | ६ | २५ | ३६ | उ. | ३४ | ३७ | अ. | ३६ | १३ | भ. | ५७ | ५७ | छत्र | मी. | ३३ | ५२ | ५ | १४ |
| | ५ | शु. | ७ | ३० | १८ | रे. | ४० | ४४ | सु. | ३७ | ३१ | बा. | ६० | ० | श्रीवत्स | ४० | ४४ | ३३ | ५० | ५ |
| | ६ | श. | ८ | ३४ | १६ | अ. | ४६ | ५ | घ. | ३८ | १५ | बा. | २ | १७ | सौम्य | मे. | ३३ | ४८ | ५ | १४ |
| | ७ | आ. | ९ | ३७ | १५ | म. | ५० | ३१ | शु. | ३८ | १२ | तै. | ५ | ४५ | काल | मे. | ३३ | ४५ | ५ | १५ |
| | ८ | सो. | १० | ३९ | ४ | कृ. | ५३ | ४७ | श. | ३७ | १६ | व. | ८ | ९ | स्थिर | ६ | २० | ३३ | ४३ | ५ |
| | ९ | मं. | ११ | ३९ | ३८ | रो. | ५५ | ४२ | वृ. | ३५ | २० | व. | ९ | २१ | मातङ्ग | वृ. | ३३ | ४१ | ५ | १६ |
| प्र. | १० | बु. | १२ | ३८ | ५५ | मृ. | ५६ | २८ | घृ. | ३२ | २२ | कौ. | ९ | १६ | अमृत | २६ | ५ | ३३ | ३८ | ५ |
| | ११ | वृ. | १३ | ३७ | १ | आ. | ५६ | ३ | व्या | २८ | २८ | ग. | ७ | ५८ | काल | मि. | ३३ | ३६ | ५ | १७ |
| | १२ | शु. | १४ | ३३ | ५८ | पु. | ५४ | ३५ | हृ. | २३ | ३९ | भ. | ५ | २९ | लुम्ब | ३९ | ५७ | ३३ | ३४ | ५ |
| | १३ | आ. | ३० | २९ | ५८ | ति. | ५२ | १३ | व. | १८ | ० | व. | ८ | ५६ | मित्र | क. | ३३ | ३१ | ५ | १८ |

श्रावण संक्रातिमालूतोफाललिने मन्त्र-कण्डारकः
 त्रिपुष्करः ५।१५उ.६।२०या. *पश्चिमोदितः शुक्रः २६
 भ. ३१।३० उ. घनिष्ठा पञ्चकारम्भः ४३।३
 भ. ११।१६या. पुनर्बसौ कर्कटोर्कः २१।४९श्रावण
 मंगल चौथी पश्चिमोदितः शुक्रः २६ h शुक्रः ५१
 विशाखायां रभौमः ५७ d मुग चह्ले) तिष्ये ३ अर्कः ५४
 भ. २५।३६ उ. ५७।५७या. तिष्ये १ अर्कः ५२*
 घनिष्ठा पञ्चकपुतिः ४०।४४ f सैत्रे २ केतुः ३४
 शनि अष्टमीव्रतम् मघायां १सिहे बुधः १९।३३सापे h
 a संक्रान्तिः कण्डारक पूजा दक्षिणायणारम्भः
 भ. ८।९ उ. ३९।४या. तिष्ये २ अर्कः २३ वक्रेणमूले n
 द्विपुष्करः ५५।४२उ. कामिका ११ व्रतम् yभीमः १९
 n ४ गुरुः ३७सिहे सायनार्कः ४कृत्तिकायां ४ राहु f
 भ. ३७।१उ. प्रदोष व्रतम् घण्टाकर्ण चतुर्दशी (गया d
 भ. ५।२९ या. विशाखायां ३y sमिमां प्रक्षिप्यामि
 दर्श श्राद्धम् 1रात्रिचर मृतादिभय नाशनः। उल्का-s

| १५ | सू. | मं. | बु. | वृ. | शु. | भा. |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| आ. | ३ | ६ | ३ | ८ | ३ | ३ |
| ग. | ५० | ५६ | ४० | ४३ | ५३ | ५५ |
| ६ | ६ | ४२ | ५३ | ४२ | ५२ | ५१ |
| २४ | ५७ | २५ | ८५ | ७७ | ७३ | ७१ |
| ८ | ४ | १५ | ३९ | २३ | २५ | २१ |

| १६ | सू. | मं. | बु. | वृ. | शु. | भा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| आ. | ३ | ६ | ४ | ८ | ३ | ३ |
| १२ | १० | २६ | ७ | १२ | २३ | १५ |
| ग. | २९ | ४२ | ८५ | ४२ | ४६ | ४१ |
| ६ | १४ | २६ | १५ | ५२ | ४६ | ४१ |
| २४ | ५७ | २७ | ६३ | ६७ | ७३ | ७१ |
| ११० | ४५ | ३६ | ४३ | २६ | | |

मं. मा. उ. बु. मा. उ. व. उ. शु. मा. ४उ. प. श. भा.

मूलादिनक्षत्रे जननफल—मूलनक्षत्र पहीला पाउले—बाबू, दोसाले—आमा, तेसाले—धन पीछं, चौथो शुभ। अश्लेषाले—प्रथम शुभ, दोसाले—धन, तेसाले—आमा, चौथाले बाबू पीछं। मूलाश्लेषाको चतुर्थ प्रथमले—मित्रमा अनिष्ट यो मतपनि भयेकाले सर्वमा शान्ति गर्न योग्य छ। ज्येष्ठान्ध २ घटी मूलादि २ घटी अमुक्त (कडा) मूल हुन्छ, यसमा जन्मेका बालकको ८ वर्ष बाबूले मुख नहेर्नु यस्तो वचन छ। मूल निवास त्यसको फल—आपा. भा. आश्वि. माघ. मा—स्वर्ग—फल राज्यलाभ, आश्वि. का. पौ. चै. को मूल मर्त्यलोके फल शून्यम्, वै. ज्ये. मार्ग. फा. को मूल पाताले—धनलाभ। 1मास्तु लूताभयचनः॥

| | | | | | | |
|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| १७ | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|

चन्द्रोदयः (गुला धर्मारम्भः)
 तिथ्ये ४ अर्कः २३
 भ. ४०१४४ उ. वराह जयन्ती २ शुक्र ४४१५ =
 भ. ७१४० या. (अगस्त प. ता. ३१) मघायां १ सिंहे २
 नाग पञ्चमी कल्की जयन्ती अश्लेषायां १ अर्कः ५४
 भ. ४९१४२ उ. विशाखायां ४ वृश्चिके भीम ४४१४३
 म. १७७ या शनि अष्टमी व्रतम् (अलपञ्च दानम्)
 पूषायां बुधः १७ च्छयीवोत्पत्तिः (व्याजानके गुह्यन्ही)
 अश्लेषायां २ अर्कः २३
 म. ५११४ उ. ३३१५९ या. पुत्रदा १ व्रतम् वक्रीबुधः २२
 प्रदोष व्रतम् पुनर्मघायां बुधः १६
 अश्लेषायां ३ अर्कः ५३ ७१ भीमः ४१ श्रमास्तोत्रः ३५
 भ. ३२१४४ उ. श्रीशिवस्य पवित्रारोपणम् अनुराधायां ७
 भ. ४१५७ या. पूर्णिमा व्रतम् ऋषि तर्पण रक्षाबन्धनम्

| | | | | | | |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|--------|
| आ. | ३ | ६ | ४ | ८ | ६ | १ |
| ११ | १७ | २९ | १२ | १२ | २१५ | ९२१ |
| ग. | ८ | ४१ | ११ | १२ | ०३१ | २५ |
| ६ | ४१ | २१ | ५ | ५८ | ५८ | ३६ |
| २३ | ५७ | २९ | ३१ | ५ | ७३ | १ |
| ५२ | १७ | ४१ | १३ | ३७ | २३ | ५६ |
| १८ | सू. | मं. | बु. | गु. | शा. | म. रा. |
| आ. | ३ | ७ | ४ | ८ | ६ | १ |
| २६ | २३ | ३ | १२ | ११ | १० | १५ |
| ग. | ४१ | १० | ५२ | ४० | ३६ | ५० |
| ६ | ३५ | ४१ | ०५ | ११ | २९ | २१ |
| २३ | ३७ | ३१ | १२ | ५ | ७३ | २ |
| ४३ | २६ | ३३ | ४० | ३१ | २२ | ४१ |

| | | |
|---------|----|-------|
| ३ | ४ | २ रा. |
| मं. ७५. | १ | |
| १० | १२ | |
| ११ | | |

मं. मा. उ. बु. २३व. २६अ. वृ.
व. उ. श. मा. उ. प. श. मा. उ.

श्रीशके १९०६ श्रावण २०४१ भाद्रकृष्ण पक्षः (गुल्लागा) पा. भ. कृ. श्ले. म. २४ श. २ (अगस्त ८) दक्षिणायनं वर्षतुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगः चन्द्रश. | दि. | मा. | सू. | उ. | ता. |
|--------|-------|-----|------|-----|------|------|------|-------|------|-------|------|------|-----|---------------|-----|-----|-----|----|-----|
| २८ आ. | १३९४१ | घ. | ३३२१ | शो. | ५२२६ | वा. | ७५५ | मातृ | ०५२ | ३२४३ | ५२७ | १२ | | | | | | | |
| २९ सो. | २४४ | ४ | ३९११ | अ. | ५३३४ | तै. | ११५२ | अमृत | कुं. | ३२४० | ५२८ | १३ | | | | | | | |
| ३० मं. | ३४९ | ० | ४५३३ | सु. | ५५४ | व. | १६३२ | काण | २८५७ | ३२३७ | ५२९ | १४ | | | | | | | |
| ३१ बु. | ४५४ | ४ | ५२५ | धृ. | ५६४१ | व. | २१३२ | लुम्ब | मी. | ३२३३ | ५३० | १५ | | | | | | | |
| ३२ वृ. | ५५८ | ५ | ५८२० | रु. | ५८० | कौ. | २६२७ | मित्र | ५८२० | ३२३० | ५३१ | १६ | | | | | | | |
| १ शु. | ६६० | ० | ६०० | गं. | ५८५० | ग. | ३०५२ | वज्र | मे. | ३२२७ | ५३२ | १७ | | | | | | | |
| २ श. | ६२५ | ४ | ३५४ | बु. | ५८५४ | भ. | ३४२७ | सौम्य | मे. | ३२२४ | ५३३ | १८ | | | | | | | |
| ३ आ. | ७६० | ० | ८३२ | धृ. | ५८ | वा. | ३६५८ | काल | २४२५ | ३२२० | ५३४ | १९ | | | | | | | |
| ४ सो. | ८५६ | ८ | १२५ | क. | १२५ | वा. | ३६१८ | स्थिर | वृ. | ३२१७ | ५३५ | २० | | | | | | | |
| ५ मं. | ९८३ | ० | १४१ | ह. | ५३३१ | व. | ३८१९ | मातृ | ४४४८ | ३२१७ | ५३६ | २१ | | | | | | | |
| ६ बु. | १०८ | १ | १५१ | व. | ४९४४ | ब. | ३७ | अमृत | मि. | ३२११ | ५३७ | २२ | | | | | | | |
| ७ वृ. | ११६ | १ | १६३ | अ. | १५८ | सि. | ४५३ | कौ. | ३४४४ | काण | ५९११ | ३२७ | ५३८ | २३ | | | | | |
| ८ शु. | १२८ | ३ | १७३ | पु. | १७५ | व्य. | ३९३० | ग. | ३११८ | लुम्ब | क. | ३२४ | ५३९ | २४ | | | | | |
| ९ श. | १४५ | ३ | १८६ | नि. | १८४ | व. | ३३१५ | भ. | २६५८ | मित्र | क. | ३२० | ५४० | २५ | | | | | |
| १० आ. | ३०४ | ९ | १९६ | अ. | ८४० | प. | २६२६ | च. | २१५६ | वज्र | ८४२ | ३१५६ | ५४१ | २६ | | | | | |

१ भगवतोयात्रा नारायणयात्रा च
गोयात्रा (सायारू) धनिष्ठा पञ्चकारभः ०५२ a
(दधुसाया मतया) आश्लेषायां ४ अर्कः २२
भ. १६३२ उ. ४९१० या. a पुकायां शुक्रः ३७
c कन्यायां शुक्रः १४४९ पूर्वोदितोऽः ४०
मघायां १ सिहेः ५०३६ धनिष्ठा पञ्चकपुतिः ५८२०
भाद्र संक्रान्तिः अनु २ भीमः ९ b व्रतञ्च मन्वादिः
भ. २५४ उ. ३४२७ या. d स्वात्यां ४ शनिः ३२
रविसप्तमी व्रतम् अष्टमी व्रतम् श्रीकृष्ण जन्माष्टमी b
श्रीकृष्ण यात्रा मघायां २ अर्कः १९ पा. तान्सेन f
भ. ३८१९ उ. ल. पु. भीमयात्रा g लाभ हुन्छ ।
भ. ८११ या. c उकायां शुक्रः ३१ कन्याया दृष्ट्याः २९
अजा ११ व्रतम् मघायां ३ अर्कः ४७ अनु. ३ भीमः १८ c
भ. ५९१२० उ. प्रदोष व्रतम् (पञ्चदानम्) मार्गेण d
भ. २६१५८ या. (पञ्चदान चह्ने, जुग चह्ने)
कुण ग्रहणम् गोकर्ण स्नानम् दर्शश्चाष्टम् उकायां २०

| १९ सु. | मं. | बु. | वृ. | शु. | भा. |
|--------|-----|-----|-----|-----|-----|
| १० | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| ११ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १२ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १३ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १४ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १५ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १६ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १७ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १८ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |
| १९ | ७ | ४ | ५ | ४ | ५ |

| | | | | |
|--------|---|----|-----|---|
| २२ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| २३ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| २४ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| २५ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| २६ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| २७ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| २८ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| २९ सु. | ५ | १० | शु. | ६ |
| ३० सु. | ५ | १० | शु. | ६ |

काकस्पर्श फलः कागले छोया छोया भने छारिद्रय मरण कुर्न होला, कटिमा छोये ठूलो भय, अग्निष्ट होला, स्त्रीको शीरमा छोयो भने पतिवा पुत्रको मरण, हृदयमनी खाने चीजको संयोगले छोये दोष हुँदैन । काक मथुन देखिए भने ६ मास महीना भित्र अनिष्ट हुन्छ । काकशान्ति गर्न योग्य छ, अथामावस्याजनन फल-अमावास्यामा जन्मेका बालकले पिता मातालाई अनिष्ट र दांपत्य जीवनमा पनि बाधा गर्छ-कन्याको निमित्त विशेष अनिष्ट छ, उक्तञ्च-अमावास्यादेखि कन्या पति हन्त्री यथा भवेत् ॥ यो अमावास्यामा-पिता जिवीत हुनेले मिष्ठान्न पानादिले संतुष्ट पारितोषिक वस्तु वस्त्रादिले पितालाई संतोष गराउनु, जिवीत नहुनेले पितृनिमित्त प्रातःनद्यादिमा स्नान तर्पण सिधादक्षिणा पिण्डदान ब्राह्मण भोजन गराउनाले धनपुत्रादि ऐश्वर्य छ

म. मा. उ. बु. व. १० उ. वृ. उ. शु. मा. उ. प. श. मा. उ.

शके १९०६ श्री संवत् २०४१ भाद्रपद शुक्लपक्षः (जलाश्व) पा०-म.स्वा.१६अनु श्र.श. (अगस्त ८ सित. ९) दक्षिणायनं वर्षर्तुः

| म. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चं. | रा. | दि. | मा. | सु. | उ. | ता. |
|----|-----|-----|----|----|-----|-------|----|-----|-----|-------|-----|----|----|----------|-------|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| ११ | सो. | १४ | ३ | २५ | म | ५ | ७ | जि. | १९ | ९ | कि. | १६ | २० | ध्वांक्ष | सि. | ३१ | ५२ | ५ | ३८ | २७ | |
| १२ | मं. | २३ | ७ | १९ | पु. | ५ | ७ | जि. | १९ | ९ | कि. | १६ | २० | ध्वांक्ष | सि. | ३१ | ५२ | ५ | ३८ | २७ | |
| १३ | वृ. | ३३ | १ | ८ | ह. | ५ | २ | ४ | सा. | ५ | ७ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| १४ | शु. | ४ | २ | ५ | ७ | चि. | ४ | ८ | ५ | ० | शु. | ४ | ८ | ५ | ० | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| १५ | गु. | ५ | १ | ९ | ८ | स्वा. | ४ | ५ | १ | ६ | व. | ४ | १ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| १६ | श. | ६ | १ | ९ | ८ | वि. | ४ | २ | २ | २ | २ | ३ | ५ | ० | ग. | ४ | २ | ५ | ३ | ३ | |
| १७ | आ. | ७ | ९ | ५ | २ | अ. | ४ | ० | १ | २ | वै. | २ | ८ | ४ | म. | ३ | ५ | ३ | ३ | ३ | |
| १८ | सो. | ८ | ६ | २ | ० | ज्ये. | २ | ९ | १ | वि. | २ | २ | २ | ९ | बा. | ३ | ५ | ३ | ३ | ३ | |
| १९ | मं. | ९ | ३ | ४ | ८ | म. | ३ | ५ | ३ | प्रो. | १ | ९ | ४ | तै. | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| २० | वृ. | १० | २ | २ | ८ | पू. | ४ | ० | ४ | आ. | १ | ५ | ३ | ४ | व. | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| २१ | शु. | ११ | २ | २ | २ | उ. | ४ | २ | ३ | सो. | १ | ३ | ५ | व. | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| २२ | गु. | १२ | ३ | ३ | ५ | श्र. | ४ | ६ | २ | जो. | १ | १ | ३ | ६ | क्रो. | ३ | ४ | ८ | ५ | ३ | |
| २३ | श. | १३ | ६ | १ | ध. | ५ | ० | ४ | ४ | अ. | १ | १ | २ | ग. | ३ | ७ | ४ | ७ | ५ | ३ | |
| २४ | आ. | १४ | ९ | ३ | ४ | श. | ५ | ६ | २ | पु. | १ | १ | २ | म. | ४ | १ | ७ | ४ | ८ | ३ | |
| २५ | सो. | १५ | १ | ४ | ० | पू. | ६ | ० | ० | पु. | १ | २ | १ | ७ | बा. | ४ | ६ | २ | ९ | ३ | |

| २६ | म. | वृ. | गु. | शु. | श. | रा. | |
|-----|----|-----|-----|-----|----|-----|----|
| मा. | ४ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ | |
| १५ | १३ | १४ | २ | १० | ६ | १७ | ७ |
| ग. | ५ | ३३ | ४ | ५ | १० | १८ | ५६ |
| ६५ | ० | १६ | ० | ४६ | ० | ४६ | ३५ |
| ३५ | ५ | ३५ | १५ | ० | ३३ | ४ | ३ |
| ३५ | ० | ४ | ४० | ३५ | ११ | ३९ | ११ |
| २७ | म. | वृ. | गु. | शु. | श. | रा. | |
| मा. | ४ | ३ | ४ | ५ | ६ | १ | |
| १५ | ० | १८ | ५ | १० | १४ | १७ | ७ |
| ग. | ४६ | ४६ | ५ | ५ | ४ | ५० | ३४ |
| ३४ | ३ | ३३ | ३५ | ४ | ४ | ४ | २० |
| ३३ | ५ | ३६ | ५ | १ | ३३ | ५ | ३ |
| ३० | २ | ६ | ३ | ० | १० | ९ | ११ |

| | |
|-------|-------|
| शु. ६ | ४ |
| ग. ७ | सु. ५ |
| मं. ८ | रा. २ |
| वृ. ९ | ११ |
| १० | १२ |

अथपाक्षिक व्रत विचारः—भाद्र शुक्ल तृतीया हरितालिका—चतुर्थी सहिता यातु सा तृतीया फलप्रदा । अवैधव्यकरा स्त्रीणां पुत्र पौत्र प्रवर्धिनी ।
भाद्र शुक्ल चतुर्थी गणेशः ४ अस्मिन् चन्द्रदर्शनं दोषस्तस्य शान्तये मन्त्रः—सिंह प्रसेनमवधीत् सिंहो जाम्बवताहत । सुकुमारक मारोदोतव ह्येष्यमस्तक
ति । पञ्चम्यामपामार्गेणदन्त धावनं मन्त्रः—आयुर्वलं यशोवर्चं प्रजापशु वसूनि च । ब्रह्मप्रज्ञाञ्चमेपाञ्चत्वन्नो देहियशो वलम् । द्वादश्यां विष्णुपरिवर्तनो-
त्सवः । रात्रौ षोडशोपचारैः विष्णुं संपूज्य प्रार्थयेत् । वामदेव जगन्नाथ प्राणैर्द्विदशौ तव । पार्श्वेन परिवर्तस्व सुखं स्वपीहि माधवेति ॥
श्रीमहालक्ष्मीव्रतारम्भः रवि स. व्रतम् पूजायां ३ अर्कः ३५ हमाव्रतञ्च इन्द्र यात्रा ज्येष्ठायां २ भौमः २४ । प्रतिपच्छ्राद्धम् पूजायां ४ अर्कः १

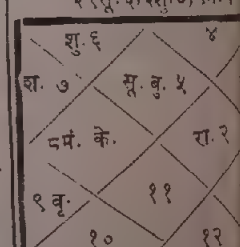
मं. मा. उ. वृ. १३ मा. उ. वृ. १५
मा. उ. शु. मा. उ. प. ज. मा. उ.

श्रीशके १९०६ श्रीसंवत् २०४१ आश्विनकृष्णपक्षः (त्रलागा) पा० अश्वि. २८. रले. उ. फा. (सितम्बर ९) दक्षिणायनं वर्षर्तुः शरदृतुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चन्द्रा. | दि. | मा. | सू. | ज. | ता. |
|--------|-----|-----|----|-----|----|----|------|-----|----|-----|----|----|--------|-------|----------|-----|-----|-----|----|-----|
| २६ मं. | ११ | १८ | ५८ | पू. | २३ | ८ | शु. | १३ | ४० | तै. | ५१ | ३२ | काण | मी. | ३० | ५१ | ५ | ४० | ११ | |
| २७ बु. | २२ | ४ | ७ | उ. | ११ | १ | गं. | १५ | १५ | व. | ५६ | ३२ | तुम्ब | मी. | ३० | ४७ | ५ | ५१ | १२ | |
| २८ वृ. | ३२ | ८ | ५ | रे. | १५ | ३१ | बु. | १६ | ३५ | ब. | ६० | ० | मित्र | १५ | ३१ | ३० | ४३ | ५ | ५१ | १३ |
| २९ शु. | ४ | ३३ | ८ | अ. | २१ | १५ | घु. | १७ | २७ | ब. | १ | ३ | वज्र | मे. | ३० | ३९ | ५ | ५२ | १४ | |
| ३० श. | ५ | ३६ | २१ | म. | २६ | ६ | व्या | १७ | ३७ | की | ४ | ४४ | ध्वांश | ४२ | ३ | ३० | ३५ | ५ | ५३ | १५ |
| ३१ आ. | ६ | ३८ | २३ | कृ. | २९ | ५ | ह. | १६ | ५७ | ग. | ७ | २२ | धूम्र | वृ. | ३० | ३१ | ५ | ५४ | १६ | |
| १ सो. | ७ | ३९ | ११ | रो. | ३२ | २६ | व. | १५ | १९ | भा. | ८ | ४७ | वद्ध | वृ. | ३० | २६ | ५ | ५५ | १७ | |
| २ म. | ८ | ३८ | ४२ | मू. | ३३ | ४ | सि. | १२ | ४२ | बा. | ८ | ५६ | रक्ष | ३ | ५ | ३० | २२ | ५ | ५६ | १८ |
| ३ बु. | ९ | ३६ | ५८ | आ. | ३३ | ४९ | व्य. | ९ | ४ | त. | ७ | ५० | मुसल | मि. | ३० | १८ | ५ | ५६ | १९ | |
| ४ वृ. | १० | ३४ | ८ | पु. | ३२ | ४८ | व. | ८ | ३३ | व. | ५ | ३३ | सिद्धि | १८ | २ | ३० | १४ | ५ | ५७ | २० |
| ५ शु. | ११ | ३० | १९ | ति. | ३० | ४८ | शि. | ५२ | ५५ | ब. | ८ | ३३ | उत्पात | क. | ३० | १० | ५ | ५८ | २१ | |
| ६ श. | १२ | २५ | ३९ | अ. | २८ | १ | सि. | ४६ | ८ | ग. | ५३ | ० | मानस | २८ | १ | ३० | ६ | ५ | ५८ | २२ |
| ७ आ. | १३ | २० | २२ | म. | २४ | ३२ | सा. | ३८ | ५३ | भा. | ४७ | २९ | मुद्गर | सि. | ३० | २ | ५ | ५९ | २३ | |
| ८ सो. | १४ | १४ | ३६ | पू. | २० | ३८ | शु. | ३१ | ३१ | च. | ४१ | ३५ | ध्वज | ३४ | ३५ | २९ | ५८ | ६ | ० | २४ |
| ९ मं. | ३० | ८ | ३४ | उ. | १६ | २७ | शु. | २३ | ३३ | कि. | ३५ | ३० | घाता | क. | २९ | ५४ | ६ | १ | २५ | २५ |

अत्रयोदशी आढम् चतुर्दशी आढम् च उफायां अर्कः ४० b
 आढांभावः (पुंचलीभूजा) g महालक्ष्मी व्रत प्रतिः
 भ. ५६।३२ उ. द्वितीया आढम् d तुलायां शुक्रः ४३।२९
 भ. २८।५ व्या. तृतीया आढम् (गातीला) घनिष्ठा m
 चतुर्थी आढम् (नानिचा यात्रा) ज्येष्ठाया र भौमः h
 पञ्चमी आढम् h ४५ पूफाया बुधः २८ चित्रायां शुक्रः १७ x
 भ. ३८।२३ उ. उफायां र कन्याया मर्कः ५१।५२ षष्ठी आढम्
 भ. ८।४७ या. आश्विन संक्रान्तिः सप्तमी आढम् श्री ह
 अष्टमी व्रतम् अष्टमी आढम् अष्टका
 मातृनवमी नवमी आढम् अन्वष्टका ज्येष्ठायां भौमः ५९ d
 भ. ५।३३ उ. ३।४ व्या. दशमी आढम् उफायां अर्कः १६
 इन्दिरा ११ व्रतम् एकादशी आढम् फल्गुहरि शंकर यात्रा
 द्वादशी आढम् प्रदोष व्रतम् m पञ्चक पूर्तिः १५।३१ उफायां c
 भ. २०।२२ उ. ४।७।२९ या. मघा युक्ता कलियुगादि a
 दश आढम् कृति. ३ राहु. मैत्रे १ केतुः २८ c १ अर्कः २६
 मातामह आढम् मूले १ धनु विभौमः ७।४० स्वात्यां शुक्रः ११ +

| २३ सू. | मं. | बु. | वृ. | शु. | श. |
|----------|-----|-----|-----|-----|----|
| २३ सू. | ४ | ७ | ४ | ८ | ५ |
| २९ २७ २३ | १३ | ११ | २३ | १८ | १८ |
| ग. ३५. ६ | १३ | ६ | २६ | १८ | १८ |
| ६ ७ २३ | २४ | १२ | ५९ | ४९ | ४९ |
| २३ ५८ ३७ | ७७ | २ | ७३ | ५९ | ५९ |
| ३२ ५१ १४ | १७ | ११ | ८ | ४० | ४० |
| २४ सू. | मं. | बु. | वृ. | शु. | श. |
| २४ सू. | ५ | ७ | ४ | ८ | ५ |
| ५ ४ २७ | २२ | ११ | ११ | ११ | ११ |
| ग. २५ ३३ | ५१ | २७ | ५९ | ४९ | ४९ |
| ६ ३७ ३६ | ४२ | ५८ | ५५ | २७ | २७ |
| २२ ५८ ३८ | ९१ | ३ | ७३ | ६ | ६ |
| ५५ ४० १३ | ५९ | ५१ | ६ | ४० | ४० |



अथ महालय आढ निर्णयः—कन्याराशिमा सूर्य सरेका पक्षमा पितृकानिमित्त तर्पण आढ, सिधागनुं, नगरे घन पुत्रनाश हुन्छ ॥ आढकाल निर्णयः—
 पूर्वाह्निकालमा दैविक आढ, अपराह्निकालमा पावण एकापावण आढ, मध्याह्निकालमा एकोद्विआढ, प्रातःकालमा वृद्धिआढ गनुं पर्दछ ॥ आढविघ्न
 निर्णयः—आढविघ्नसमुत्पत्ते अविज्ञाने मूतेहनि ॥ एकादश्यांतु कर्तव्यं कृष्णपक्षे विशेषतः ॥ आढे प्राह्णपुष्पाणि—जगस्त्यं भृङ्गराजश्च तुलसी शतपत्रिका ॥
 चम्पकं तिल पुष्पं च षडेते पितृवल्लभा ॥ आढे निषिद्ध पुष्पाणि—केतकी करवीरं च वकुलं कुन्दकं तथा ॥ पाटली चैव जाती च आढे यत्नेन वर्जयेत् ॥
 x इन्द्रध्वज पातनम् + पितृविसर्जनम् b उफायां बुधः ५२ तुलायां सायनार्कः २२ (नलाशने चह्ले)

| | | | | | | | |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| २५ | सू. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | |
|----|----|----|-----|----|----|----|----|
| आ. | ५ | ८ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| १२ | ११ | २ | ५ | १२ | १० | ११ | ६ |
| ग. | १७ | ७ | ५६ | १ | २२ | ४३ | २७ |
| ६ | १२ | १ | ११ | ० | ५० | १५ | २४ |
| २२ | ५१ | २१ | १०० | ५ | ७२ | ६ | ३ |
| ४७ | ५६ | ७ | ४५ | १० | ५३ | २१ | ११ |

| २६ | सू. | मं. | गु. | गु. | शा. | भा. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| भा. | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| १९ | १५ | ६ | १५ | १२ | १९ | २० | ६ |
| ग. | १० | ४५ | ४७ | ४२ | ५ | ३० | ५ |
| ६ | ३० | २१ | ३२ | १० | ० | १ | १९ |
| २२ | ५२ | ३९ | १० | ४ | ५ | ४२ | ६ |
| ३५ | १४ | ४९ | ११ | ५१ | ५२ | ४४ | ११ |

| | |
|-----------|-----------|
| १० बु. ६, | |
| ७ गु. ग. | ५ |
| न के. | मू. बु. ६ |
| | ४ |
| मं. बु. ९ | ३ |
| १० | १२ |
| ११ | १ |

म. मा. उ. बु. मा. उ. १३ अ. बु. म.

उ. हा. मा. उ. म. मा. म.

श्रीशके १९०६ श्रीमवत् २०४१ कार्तिक कृष्णपक्षः (कौलागा) पा. २।३ कृ. आ.श्ले.चि.स्वा. (अक्टोवर १०) दक्षिणायन शरदृतुः

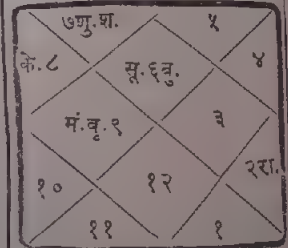
| ग. वा. ति. घ. प. न. घ. प. यो. घ. प. क. घ. प. योगाः | चन्द्ररा. दि. मा. सु. उ. ला. |
|--|------------------------------|
| २४ बु. १६० ० रे. २२ ३४ व्या ३२ ५६ वा. २८ ५१ उत्पति | ३२।३४ २८ ५१ ६१४ 10 |
| २५ बु. १ ११९ अ. ३८ २८ ह. ३३ ५३ तै. ३३ २७ मानस | मे. २८ ४७ ६१५ 11 |
| २६ बु. २ ५ ३५ म. ४३ ३१ व. ३४ १२ व. ३७ १४ मुद्गर | ५९।३२ २८ ४३ ६१५ 12 |
| प्र. २७ अ. ३ ५ ३५ सि. ३३ ४२ व. ३९ ५६ श्वज | व. २८ ३९ ६१६ 13 |
| २८ आ. ४ ११ ० रो. ५० २८ ध्य. ३२ १३ को. ४१ २६ धाता | व. २८ ३५ ६१७ 14 |
| २९ सो. ५ ११ ५३ म. ५१ ५६ व. ०९ ४७ ग. ४१ ४० आनन्द | २१।१९ २८ ३१ ६१८ 15 |
| प्र. ३० म. ६ ११ २८ आ. ५२ १६ प. ०६ २२ म. ४० ३८ चर | मि. २८ २६ ६१९ 16 |
| १ बु. ७ ९ ४९ पु. ५१ ३० नि. २१ ५८ वा. ३८ २६ गद | ३६।४१ ३८ २३ ६१९ 17 |
| २ बु. ८ ७ ४८ ति. ४९ ४१ नि. १६ ४३ तै. ३५ ११ शुभ | क. २८ १८ ६२० 18 |
| ३ बु. ९ ७ ४७ अ. ४७ ३० मा. १० ४० व. ३३ ० मृत्यु | ४७।२ २८ १४ ६२१ 19 |
| ४ श. ११ ५३ ३० म. ४३ ४० बु. ४४ ४६ व. ०६ ६ पद्म | सि. २८ १० ६२२ 20 |
| ५ आ. १२ ४७ ४८ म. ३९ ५३ व. ४९ ५४ को. २० ३९ छत्र | ५३।५१ २८ ६ ६२३ 21 |
| प्र. ६ सो. १३ ४१ ५१ उ. ३५ ४५ ग. ४१ ० ग. १४ ४९ श्रीवत्स | क. २८ २ ६२४ 22 |
| ७ म. १४ ३५ ४६ ह. ३९ ३० ति. ३३ ३० म. ८ ४० सौम्य | ५९।२९ २७ ५८ ६२४ 23 |
| ८ बु. १० २९ ५७ चि. ०३ २७ वि. २५ ४७ व. ४७ ४७ काल | तु. २७ ५४ ६२५ 24 |

f (श्वस्त चहे) स्वात्या १ अर्कः ५९।४६३ शिचवे माय-४
धनिष्ठा पञ्चक पूर्तिः ३२।३४ चित्राया १ अर्कः ३५.८
a मूले ४ भौम. ३ मार्गेण पूषाया १ गुरुः ३८ ह नार्कः ४२
भ. ३७ १४ उ. ८३९।५३ उ. ४७।४८ न्या. i द्विगुणः ५८
भ. ८।५३ या. चित्राया २ अर्कः ५७ चित्रायां ३ तुलायां b
पूषायां १ भौमः ५९ विशाखायां ४ वृश्चिकेशुकः १९।४
c अष्टमी व्रतम् स्वात्यां वृधः १७ अनुराधायां शुक्रः ३
भ. ११।२८ उ. ४०।३८ या. त्रिपुङ्करः ५२।१६ उ.
चित्रायां ३ तुलायामर्कः १८।३ कार्तिक संक्रान्तिः c
० काकबलिदानम् यमदीपदानम् पश्चिमास्तः शनिः २२
भ. ३१।० उ. ५८।४६ या. पूषायां २ भौमः ४२ h भौमः २४।
स्मात्तानां रमा ११ अ. चित्रायां ४ अर्कः ३९ b बुधः २८।५७
वैष्णवानां रमा ११ व्रतम् गोवत्स द्वादशी त्रिपुङ्करः d
भ. ४१।५१ उ. सोमप्रदोष व्रतम् धन्वन्तरी जयन्ती e
भ. ८।२० या. तरकचतुर्दशी अभ्यङ्ग रत्नानम् श्वपूजा f
दर्शश्राद्धम् दीपमालिका लक्ष्मीपूजा मुखरात्रीपूषायां ३।

| २७ सु. मं. बु. गु. शु. ण. रा. |
|-------------------------------|
| मा. ५। ८ ५ ८ ६ ६ १ |
| २८।२५ ११ २८ १३ २७ २१ ५ |
| ग. ६ ३४ २।३२ ३८ १७ ४२ |
| ६ ३० २८ ३ ३१ ३५ २ ४ |
| २९।५९ ८० १०६ ७०२ ७ ३ |
| ८८ ३१ ३३ २८ १३ ६६ १११ |

| २८ सु. मं. बु. गु. शु. ण. रा. |
|-------------------------------|
| का. ६ ८ ६ ८ ७ ६ १ |
| ३ २१६ १० १४ ६२२ ५ |
| ग. ३ २६ २१ ३० ५ ५२० |
| ६ ७ २३ ४२ २० ४१ ८ ४० |
| ३०।५९ ४१ १०५ ८७२ ७ ३ |
| १८ ४७ ५ ५४ १५ ४५ ११११ |

२७ बु. ७, २८ शु. ८, १ म. ७,



मं. मा. उ. बु. मा. अ. वृ. मा. उ. शु. मा. उ. प. श. मा. ६ अ.

अथ कार्तिक स्नान मन्त्र—कार्तिकं हं करिष्यामि प्रातः स्नानं जनार्दनः । प्रीत्यर्थं तव देवेश दामोदर मयां सह । का. कृष्ण त्रयोदशीमा यम दीप दान काक बलिदान, १४ मा प्रातः अभ्यंगस्नान ४ मुने दीप दान, श्व (कुक्कुर) पूजा अनावस्याको संध्यामा अनंत दीपदान गरी लक्ष्मी पूजा राज्यन्तमा मूर्ति गन्धने दरिद्रा निमार्जन गर्तु । कदाचित् व्रतभङ्ग हुन गणमा, अष्टाक्षरी, ३० तमो नारायणाय यो मन्त्र १०८ जपनु व्रतभंग हुन । बुराफल मिल्छ । व्रतभङ्ग हुने नियमहरू—पान ब्रानाले घेरैपटक जल पिउनले सुतनाले मैथुन तेल सेवन मिथ्यावचन बोलनाले व्रतभंग हुन्छ ।

श्रीशके १९०६ श्रीसंवत् २०४१ कार्तिकशुक्लपक्षः (कछलाश्व) पा. १६ स्वा. वि. अनु. पुषा. श. घ. भा. २ (अक्टो. १० नव ११) दक्षिणा. शरदृतुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चन्द्ररा. | दि. | मा. | सू. | उ. | ता. | | |
|----|-----|-----|----|-------|------|----|-------|------|----|-----|-----|----|--------|--------|-----------|-----|-----|-----|----|-----|---|---|
| १० | शु. | १२४ | २५ | स्वा. | २३ | ४४ | प्रो. | १८ | २० | वा. | ५१ | ५५ | स्थिर | तु. | २७ | ५० | ६ | २६ | २५ | १ | d २०।४६ उ. ३६।३५ या. भीष्मपञ्चकारंभः तुलसीविवाह | |
| १० | शु. | १२४ | २५ | वि. | २० | २८ | आ. | ११ | १५ | तै. | ४७ | १६ | मातङ्ग | ६।१७ | २७ | ४७ | ६ | २७ | २६ | २ | गोवर्धन बलिपूजा (ह्यपूजा ने. सं. ११०५ प्रा.) | |
| ११ | शु. | ३१५ | ८ | अ. | १७ | ५७ | सो. | ४४ | ४४ | व. | ४३ | ८६ | अमृत | वृ. | २७ | ४३ | ६ | २७ | २७ | ३ | चन्द्रोदयः यमद्वितीया भातपूजा h पश्चिमोदयनः २८ | |
| १२ | आ. | ४११ | ४५ | उये. | १६ | २० | अ. | ५३ | ५३ | व. | ४० | ३५ | काण | १६।२० | २७ | ४० | ६ | २८ | २८ | ४ | भा. ४१२६ उ. स्वा. यां २ अर्कः २० c को शुभजन्मोत्सवः | |
| १३ | मो. | ५ | ९ | २६ | मू. | १५ | ४६ | सु. | ४९ | ४५ | कौ. | ३८ | ५६ | लुम्ब | घ. | २७ | ३७ | ६ | २९ | २९ | ५ | भा. १११४५ या. ज्येष्ठायां शुक्रः १ हनुधः ३ पूषा. २ गुरुः २३ |
| १४ | मं. | ६ | ८ | २६ | ग. | १६ | १५ | व. | ४६ | २५ | ग. | ३८ | २४ | मित्र | ३१।४२ | २७ | ३३ | ६ | २९ | ३० | ६ | पूषायां ४ भौमः १३ a बुधः ५ ना ९ द्विशे २ शनिः १ ५h |
| १५ | बु. | ७ | ८ | २२ | उ. | १८ | ४ | शु. | ४४ | २४ | भा. | २९ | ४ | वज्र | न. | २७ | ३० | ६ | ३० | ३१ | ७ | त्रिपुष्करः १६।१५ उ. स्वा. यां ३ अर्कः ४० द्विशे ४ वृश्चिके ४ |
| १६ | बु. | ८ | ९ | ४६ | श्र. | २१ | ६ | ग. | ४३ | १४ | वा. | ४१ | ५ | ध्वज | ५३।१२ | २७ | २७ | ६ | ३१ | १ | ८ | भा. ८।२२ उ. ३६।४ या. b गोपाष्टमी (मुखाष्टमी) |
| १७ | शु. | ९ | १० | २४ | ध. | २५ | १९ | वृ. | ४२ | ५६ | तै. | ४४ | १६ | धाता | कुं. | २७ | २३ | ६ | ३१ | २ | ९ | गोपाष्टमीव्रतम् (नवम्बर ११ ता. ३०) घ. प. प्रा. ५.२१।१२ b |
| १८ | वा. | १० | १६ | ९ | ज. | ३० | ३५ | घृ. | ४३ | २५ | व. | ४८ | २७ | आनन्द | कुं. | २७ | २० | ६ | ३२ | ३ | १० | सत्ययुगादिः बुष्माण्ड नवमी (सकोचगुवने) स्वा. यां ४८ |
| १९ | आ. | ११ | २० | ४६ | मू. | ३६ | ३५ | व्या | ४४ | २७ | व. | ५३ | २१ | चर | २०।५ | २७ | १६ | ६ | ३३ | ४ | ११ | भा. ४८।२७ उ. c अर्कः ५९ उषायां १ भौमः ४८ अनु. ४ |
| २० | मो. | १२ | २५ | ५७ | उ. | ४३ | ० | ह. | ४५ | ४९ | कौ. | ५८ | ३६ | गद | मो. | २७ | १३ | ६ | ३३ | ५ | १२ | हरिबोधिनी ११ व्रतम् भा. २०।४६ या. त्रिपुष्करः d |
| २१ | मं. | १३ | ३१ | १६ | जे. | ४७ | ३८ | व. | ४७ | १० | ग. | ६० | ० | शुभ | ४९।३२ | २७ | १० | ६ | ३४ | ६ | १३ | सोमप्रदोपश्रुतम् मन्वादिः (रिडीमा ऋषिकेशोत्सवः) |
| २२ | बु. | १४ | ३६ | १६ | अ. | ५५ | ३५ | सि. | ४८ | १० | ग. | ६४ | ६ | मुत्तु | मे. | २७ | ६ | ६ | ३५ | ७ | १४ | घनिष्ठापञ्चकपूर्ति ४९।३२ विशाखायां १ अर्कः १८ |
| २३ | बु. | १५ | ४० | ३५ | भा. | ६० | ० | ज्य. | ४८ | ३८ | भा. | ८२ | ५ | पद्म | मे. | २७ | ३ | ६ | ३५ | ८ | १५ | भा. ३६।१६ उ. वैकुण्ठचतुर्दशीव्रतम् श्री ५ बडामहारानी c |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | १६ | भा. ८।२५ या. मन्वादिः पू. ज. कार्तिक रतानम् तथा f |

पूर्वादि दिशायां आवश्यकतया गमनगतिं खाने पदार्थः—पूर्वमां धूप, दधि, तिल, चावल, पश्चिम, माछा, उत्तरमां दुध, सूर्यादि वारमा—रविवार
मिकनी, सोमवार पायस, मंगलवार मद, बुधवार तानेको दूध, गुरुवार दही शुक्रवार काचो दूध, शनिवार तिल चामल, प्रतिप्रदादि तिथिमा प्रतिप्रदामा
अर्क पत्र द्वि० चीनानी, तृ. य धूप, चतु. मा जीको विकार पं. मा मूनी, प. मां सुनगानी, स. मालपूवा, अ. मा विजोरा, न. मा जल, द. मा गोमय.
ए. मा युवक, डा. मा पायस, १३ मा गुड, च. मा रगत, पू. मा मूर्गी, खाई वा हेरी गमन गर्नु शुभहुन्छ। भक्षवस्तु भये खानू, अभक्षवस्तु भये हेरी
सादित गर्नु।
उषायां २ मकराभौमः २१।१८ चानुमास्य व्रतपूर्तिः मूले १ धनुषिपुङ्कः ३।२८ सकृन्ना पुन्ही

| २९ | सू. | मं. | बु. | वृ. | शु. | श. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| का. | ६ | ८ | ६ | ८ | ७ | ६ | १ |
| ग. | १० | १२ | २२ | १५ | १४ | २२ | ४ |
| | २२ | २४ | ३४ | ४० | ५२ | ५८ | |
| | ६२ | ५५ | ८ | १३ | १० | ५७ | ३४ |
| | २० | ६० | ४१ | १०२ | ७७ | ७ | ३ |
| | ६ | १३ | ३७ | ९ | ३९ | १८ | ११ |

| ३० | सू. | मं. | बु. | वृ. | शु. | श. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| का. | ६ | ८ | ७ | ८ | ७ | ६ | १ |
| ग. | १३ | १६ | २१ | १६ | २३ | २४ | ४ |
| | २२ | २४ | ५० | ३० | १९ | ७७ | ३६ |
| | ६३ | ५३ | २० | ५१ | २४ | १२ | २८ |
| | २१ | ६० | ४२ | ९६ | १० | ७७ | ४० |
| | ५२ | १४ | ६ | ९ | ५३ | ४ | ५५ |

१४ बु. ८, २२ मं. १०, २३ शु. ९

| | |
|-------|----|
| शु. ५ | ५ |
| मं. १ | ५ |
| वृ. ९ | ५ |
| १० | ४ |
| ११ | १ |
| १२ | ३ |
| २३ | २३ |

म. मा. उ. बु. मा. १४ उ. वृ. मा.
उ. शु. मा. उ. प. श. मा. अ.

श्रीशके १९०६ श्रीवि० संवत् २०४१ मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष (कछलागा) पा० २३ कृ. मृ. इले. वि. १६ अनु. (नवम्बर ११) दक्षिणायनं सरदृतु हेमन्तर्तुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | च. | प. | यो. | घ. | प. | क. | च. | प. | योगाः | चन्द्ररा. | वि. | मा. | सू. | उ. | ता. |
|----|-----|-----|----|-----|-------|----|-----|-------|----|-----|-----|----|--------|--------|-----------|-----|-----|-----|--|---|
| २४ | शु. | १४ | ३५ | भ. | ० | ५२ | व. | ४८ | १९ | बा. | १२ | १४ | मुदगर | १६ | ५७ | २७ | ० | ६३६ | ९ | विशाखायां २ अर्कः ३६ |
| २५ | श. | २४ | २ | कृ. | ५ | १२ | प. | ४७ | ७ | तै. | १४ | ५८ | ध्वज | वृ. | २६ | ५६ | ६३७ | १० | त्रिपुष्करः ५१२ या. श्री ५ वडामहाराणीको शुभ m | |
| २६ | मा. | ३४ | ५५ | रो. | ८ | १९ | शि. | ४४ | ५४ | व. | १६ | २८ | धाता | ३९ | १४ | २६ | ५३ | ११ | भा. १६१२८ उ. ४६१५५ या. ज्येष्ठायां बुधः ४ | |
| २७ | सो. | ४४ | ३२ | मृ. | १० | १० | सि. | ४१ | ४२ | व. | १६ | ४३ | आनन्द | मि. | २६ | ५० | ६३८ | १२ | विशाखायां ३ अर्कः ५४ उषायां ३ भौमः ३ d शक्रः ८ | |
| २८ | मं. | ५४ | ५६ | आ. | १० | ४७ | सा. | ३७ | ३२ | को. | १५ | ४४ | चर | ५५ | १४ | २६ | ४६ | १३ | g भौमः १२ घनुषि शक्रः ३१२८ | |
| २९ | बु. | ६४ | १० | पु. | ० | ११ | शु. | ३२ | २९ | ग. | १३ | ३३ | गद | क. | २६ | ४३ | ६३९ | १४ | भा. ४२११० उ. a उषायां ४ अभिजिति भौमः ३१ | |
| ३० | बु. | ७३ | २६ | ति. | ८ | ४३ | शु. | २६ | ३५ | भा. | १० | १८ | शुभ | क. | २६ | ३९ | ६४० | १५ | भ. १०११८ या. | |
| १ | शु. | ८३ | ३२ | अ. | ६ | १६ | व. | २० | १ | बा. | ६ | ९ | मृत्यु | ६१ | १६ | २६ | ६४१ | १६ | वृश्चिकेऽर्कः १२१३ मार्ग संक्रान्तिः अष्टमी च. भरवाण्टमी | |
| २ | श. | ९२ | ४१ | म. | ८ | २६ | ते. | १२ | ५५ | तै. | ८ | ५५ | पद्म | सि. | २६ | ३३ | ६४२ | १७ | भा. ५५१५१ उ. c (वालाचह्ने) | |
| ३ | आ. | १० | २३ | उ. | ५ | ५१ | वै. | ५८ | ४७ | व. | ५० | ५ | मित्र | १३ | १९ | २६ | ६४३ | १८ | भा. २३१२ या. (गुहोद्वरी यात्रा) m वर्षाभिवृद्धिः | |
| ४ | सो. | ११ | १७ | न. | ५ | ११ | ३ | प्रो. | ४९ | ४२ | को. | ४४ | ९ | वज्र | कं. | २६ | २६ | ६४३ | १९ | उत्पत्तिका ११ त्रतम् अनुराधायां १ अर्कः ३० पूषायां d |
| ५ | मं. | १२ | ११ | १० | चि. | ४६ | ५६ | आ. | ४१ | ५० | ग. | ३८ | १६ | ध्वांश | १८ | ५९ | २६ | ६४३ | २० | द्विपुष्करः ११११० या. प्रदोष व्रतम् श्रवणे १ भौमः n |
| ६ | बु. | १३ | १४ | ११ | स्वा. | ४३ | ५ | सो. | ३४ | १४ | भा. | ३२ | ३९ | धूम्र | तु. | २६ | २० | ६४४ | २१ | भा. ५१२२ उ. ३२१३९ या. वालाचतुर्दशी (सतबीज छर्ने) c |
| ७ | बु. | ३० | ५५ | २ | वि. | ३९ | ४२ | गो. | २७ | ० | च. | २७ | २९ | चङ्गे | २५ | ३२ | २६ | ६४५ | २२ | वर्षा श्राद्धम् अनुराधायां २ अर्कः ४७ अमिजिन्निवृत्ति g |

| का. | ६ | ९ | ७ | ८ | ५ | ६ | १ |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| २४ | २३ | १ | १४ | १७ | १२ | ४ | ४ |
| ग. | ५ | २५ | १४ | ५३ | ३४ | ३३ | १४ |
| ६ | २७ | २३ | ५१ | ५० | २६ | ३८ | ४ |
| २१ | ६० | ४२ | ८५ | १० | ७२ | ७ | ३ |
| ४१ | २६ | ५४ | २० | ४९ | २६ | २९ | ११ |
| ३२ | सू. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
| मा. | ७ | ९ | ७ | ८ | ८ | ६ | १ |
| १ | ० | ६ | २२ | १९ | १० | २५ | ३ |
| ग. | ९ | ३३ | ५१ | ११ | ० | २५ | ५१ |
| ६ | ३० | ८ | २३ | ३४ | ४० | १८ | ४९ |
| २१ | ६० | ४२ | ६४ | ११ | ७१ | ७ | ३ |
| २८ | ३७ | ५५ | ५४ | ३१ | ५४ | २४ | ११ |

१ सू. ८, ७ शु. ९

| | | |
|--------|-----------|---|
| शु. ९ | बु. के. ८ | ६ |
| शु. ९ | सू. श. ७ | ५ |
| १० मं. | ४ | |
| ११ | १ | ३ |
| १२ | २ रा. | |

म. मा. उ. बु. मा. उ. बु. मा. उ. श. मा. उ. प. हा. मा. अ.

अथ वाला चतुर्दश्यां कृत्यकर्मणि हेमाद्रौ—सुवर्णरतिका तुल्यं ब्रीहिमेकं परिक्षिपेत् । मृगस्थली परिभ्राम्य पुनर्जन्म न विद्यते । मार्गमासे नियमा—मार्गमास भर एकभक्त (एक छाकखाने) व्रत पञ्चमी नागपूजा षष्ठी अष्टमीमा गोमूत्राहारी व्रत लवण दान, धान्य-पर्वतदान नवाक्ष भोजनको माहात्म्य छ । नवाक्षप्राशन मन्त्रः—प्राशनीयात् दधिसंयुतं नवं विप्राभिमन्त्रितम् गृहीत्वा ब्राह्मणानुजां सर्वधिं प्राशयेन्नवम् । अत्र प्रतिपदीः त्रिजटाध्यादनमन्त्रः—रामायवरदे देवि सीताय प्रियवादिनी । गृहाणार्घ्यं भया दत्तं त्रिजटायै नमोनमः । यमदंष्ट्र प्रशंसा—कार्तिकका ८ दिन यमदंष्ट्र गच्छ, यसमा अल्पाहारी भएमा निरामय होइन्छ ।

श्रीशाके १९०६ श्रीसंवत् २०४१ मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः (थिल्लाथ्व) पा. अनु. श्र. घ. कु. ३ (नवम्बर ११ दिसम्बर १२) दणिणायन-हेमन्तर्तुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगा: | चन्द्रा. | दि. | मा. | सू. | उ. | ता. | विशाखायां शनिः ४७ कृतिकायां राहुः ४८ विशाखायां ४९ |
|----|-----|-----|----|----|-------|----|----|------|----|----|-----|----|----|----------|----------|-----|-----|-----|----|-----|---|
| १ | शु. | १ | ५० | ५३ | अ. | ३७ | १ | अ. | २० | १५ | कि. | २२ | ५७ | रख | वृ. | २६ | १३ | ६ | ४५ | २३ | ६ |
| २ | शु. | २ | ४७ | ३७ | ज्ये. | ३५ | ९ | सु. | १४ | ७ | वा. | १९ | १५ | मुसल | ३५ | १ | २६ | १२ | ६ | ४६ | २४ |
| ३ | आ. | ३ | ४५ | २५ | मू. | ३४ | २० | धृ. | ८ | ५ | तै. | १६ | ३१ | सिद्धि | घ. | २६ | ११ | ६ | ४६ | २५ | ५ |
| ४ | सो. | ४ | ४४ | २४ | पू. | ३४ | ३५ | श. | ४ | १ | व. | १४ | ५४ | उत्पात | ४९ | १५ | २६ | ९ | ६ | ४६ | २६ |
| ५ | मं. | ५ | ४४ | ३९ | ज. | ३६ | ५ | गं. | ८ | १ | व. | १४ | ३१ | मानस | म. | २६ | ८ | ६ | ४६ | २७ | ६ |
| ६ | बु. | ६ | ४६ | ११ | अ. | ३८ | ५१ | धृ. | ५ | ६ | को. | १५ | २५ | छत्र | म. | २६ | ९ | ६ | ४६ | २८ | ७ |
| ७ | वृ. | ७ | ४९ | ० | घ. | ४२ | ४७ | व्या | ५ | ६ | ग. | १७ | ३५ | श्रीवत्स | १० | १४ | २६ | ५ | ६ | ४७ | २९ |
| ८ | शु. | ८ | ५२ | ५३ | श. | ४७ | ५१ | ह. | ५ | ६ | भ. | २० | ५६ | सौम्य | कुं. | २६ | ४ | ६ | ४७ | ३० | ८ |
| ९ | श. | ९ | ५७ | ३९ | पू. | ५३ | ४४ | व. | ५ | ७ | न. | २५ | १६ | काल | ३७ | १५ | २६ | २ | ६ | ४८ | १ |
| १० | आ. | १० | ६० | ० | उ. | ६० | ० | सि. | ५ | ८ | तै. | ३० | १६ | स्थिर | मी. | २६ | १ | ६ | ४८ | २ | ९ |
| ११ | सो. | १० | २ | ५४ | उ. | ० | ८ | व्य. | ५ | ९ | व. | ३५ | ३५ | गद | मी. | २५ | ५९ | ६ | ४८ | ३ | १० |
| १२ | मं. | ११ | ८ | १७ | रे. | ६ | ४० | व. | ६ | ० | ब. | ४० | ४८ | शुभ | ६ | ४० | २५ | ५८ | ६ | ४८ | ४ |
| १३ | बु. | १२ | १३ | १९ | अ. | १२ | ५३ | व. | ० | ५ | की. | ४५ | २९ | मृत्यु | मे. | २५ | ५६ | ६ | ४९ | ५ | ११ |
| १४ | वृ. | १३ | १७ | ३९ | भ. | १८ | २२ | प. | १ | ३० | ग. | ४१ | १८ | पद्म | ३४ | ३० | २५ | ५५ | ६ | ४९ | ६ |
| १५ | शु. | १४ | २० | ५८ | कृ. | २२ | ५७ | जि. | १ | ३४ | भ. | ५२ | २ | छत्र | वृ. | २५ | ५३ | ६ | ४९ | ७ | १२ |
| १६ | श. | १५ | २३ | ७ | रो. | २६ | २५ | सि. | ८ | ३६ | बा. | ५३ | ३३ | श्रीवत्स | ५७ | २९ | २५ | ५२ | ६ | ५० | ८ |

अथ मूलादिनक्षत्र जननं कलम् मूलस्य प्रथमपादे पिता नाश द्वितीये पादे जननी तृतीयपादे घन नाशः चतुर्थे पादेशुभं स्यात् । अश्लेषायां प्रथमपादशुभं द्वितीये घनं तृतीये पादे जननी चतुर्थे पितरहन्ति । मघाश्लेष चतुर्थे प्रथमपादजाना मित्रानाम निष्टमिति मतान्तरम्, अतः सर्वेषां शान्तिकं विधेयम् । अभुवत्तमूलम् ज्येष्ठान्त्य द्विघटी मूलादि द्विघटी पर्यन्तं अभुवत्तमूलमवति अत्रोद्भववालकस्य, मुखं पित्रा अष्टवर्ष पर्यन्तं न दर्शनीयम् । अथ मूलनिवासस्तस्य फलञ्च । आषाढ भाद्र आश्विन माघेषु मूलं स्वर्गं फलं राज्यलभः, आवण कार्तिक पौष चैत्रेषु मूलमर्त्यलोके फलं शून्यम्, वैशाख ज्येष्ठमार्ग फाल्गुनेषु मूलं पातालं फलं घनागमम् । वरवधूनअत्रवसात् फलम्—मूल जी श्वमुर नाश सार्यजी श्वभ्रुनाशः ज्येष्ठ जी अग्रज (ज्येष्ठाज्यू) विशाखाजी अनुज (देवर सालो) नाशः ।

| ३३ | स. | मं. | ५. | वृ. | शु. | क. | रा. |
|-----|---|--|--|---|-----------------------------|-----------------|-----|
| मा. | ७ | ९ | ७ | ८ | ८ | ६ | १ |
| ग. | १४ | ४२ | ४० | ३४ | २१ | १४ | २९ |
| २५ | ६० | ४३ | ३५ | ११ | ० | ५८ | ३४ |
| ३४ | ७८ | ४८ | ३८ | १२ | ७ | १८ | ३३ |
| ३४ | स. <td>मं.<td>५.<td>वृ.<td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td></td></td></td> | मं. <td>५.<td>वृ.<td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td></td></td> | ५. <td>वृ.<td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td></td> | वृ. <td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td> | शु. <td>क.<td>रा.</td></td> | क. <td>रा.</td> | रा. |
| मा. | ७ | ९ | ८ | ८ | ८ | ६ | १ |
| ग. | १४ | ४२ | ४० | ३४ | २१ | १४ | २९ |
| २५ | ६० | ४३ | ३५ | ११ | ० | ५८ | ३४ |
| ३४ | ७८ | ४८ | ३८ | १२ | ७ | १८ | ३३ |
| ३५ | स. <td>मं.<td>५.<td>वृ.<td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td></td></td></td> | मं. <td>५.<td>वृ.<td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td></td></td> | ५. <td>वृ.<td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td></td> | वृ. <td>शु.<td>क.<td>रा.</td></td></td> | शु. <td>क.<td>रा.</td></td> | क. <td>रा.</td> | रा. |
| मा. | ७ | ९ | ८ | ८ | ८ | ६ | १ |
| ग. | १४ | ४२ | ४० | ३४ | २१ | १४ | २९ |
| २५ | ६० | ४३ | ३५ | ११ | ० | ५८ | ३४ |
| ३४ | ७८ | ४८ | ३८ | १२ | ७ | १८ | ३३ |

| १० | बु. | ९. | १८ | शु. | १० | बु. | ८ |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| शु. | ९ | वृ. | ७ | शु. | ७ | क. | रा. |
| मं. | १० | सु. | बु. | के. | ८ | ६ | |
| ११ | | ५ | | | | | |
| १२ | | २ | रा. | | ४ | | |
| १ | | ३ | | | | | |
| मं. | मा. | उ. | बु. | १४ | वृ. | ७ | अ. |
| शु. | मा. | उ. | प. | बा. | मा. | ११ | उ. |

मं. मा. उ. वृ. मा. उ. वृ. मा.
१९अ. शु. मा. उ. प. श. मा. उ.

ग वा ति घ प न घ प यो घ प क घ प योगाः चन्द्ररा दि मा सु उ ता ।

त्रिपुंकरः ५१।२९ उ. वामवै शुकः १२
चन्द्रोदयः १५ पाया ४ अर्कः २९ मा. धनुषिबुधः १६।५३
भ. ५३।२२ उ. मूले ४ अर्कः ७ वाहणे २ भौमः ५
भ. २४।३४ या. धनिष्ठा पञ्चकारम्भः २९।५ शत-
वृश्चिके शान्तिः ४०।५६ द १ अर्कः ४३ अ. गुरुः ५४
श्री ५ महाराजाधिराज शुभ जन्मोत्सवः पूर्वाषाढायां द
श. ३६।२४ उ. त्रिपुंकरः ११।३३ या. धनिष्ठायां द
भ. ९।५ या. अष्टमोन्नतम् (जवन्हवै) तारकायां भौमः ३३
धनिष्ठा पञ्चकपूर्तिः २४।२५ पूर्वाषाढायां अर्कः ५८
(इसवीय सन् १९८५ जनवरी १ ता. ३१) स तारारम्भश्च
भ. २४।२२ उ. ५६।३० या. पुष्या ११ ब्रतम् मन्वादिः प. ६
(मुस्यादुली) b शुकः २२।३ कुम्भेशुकः १८।३१
प्रदोष ब्रतम् पूर्वायां ३ अर्कः १४ शतभे ३ भौमः ३
a २५ उषायां २ मकरे गुरुः ५६।१ शततारकायां b
भ. २।३७ उ. ३२।२३ या. पूर्णिमा ब्रतम् श्रीस्वस्थानि
माघसप्तम्यादिभः (चौगुनाराधण हैगुस्मीला पुहरी) म

| | | |
|---|---|---|
| ८ | १ | ६ |
| ३ | ५ | ७ |
| ४ | ९ | २ |

मं.मा.उ.बु.मा.उ.बू.मा.१९
अ.शु.मा.उ.प.श.मा.उ.

श्रीशके १९०६ श्रीसंवत् २०४१ माघ कृष्णपक्षः (पोहेलागा) पा.चि.वि. १६ उषा.अभि.श्र. (जन. १) दक्षिणा. हेमन्तर्तुः, उत्तरा. शिशिरर्तुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | पो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगः चन्द्ररा. | वि. मा. | सू. उ. ता. |
|----|-----|-----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|----------------|---------------------|---------------|
| २५ | मं. | १ | ७ | ३९ | १ | ७ | ३९ | १ | ७ | ३९ | १ | ७ | ३९ | वृद्ध | क. | २५ ५९ ६ ४९ ८ |
| २६ | बु. | २ | ५ | ४७ | २ | ५ | ४७ | २ | ५ | ४७ | २ | ५ | ४७ | रक्ष | ४५ ३८ २५ ५८ ६ ४८ ९ | |
| २७ | बृ. | ४ | ४९ | १० | ४ | ४९ | १० | ४ | ४९ | १० | ४ | ४९ | १० | मुसल | ति. | २५ ५९ ६ ४८ १० |
| २८ | शु. | ५ | ४८ | ० | ५ | ४८ | ० | ५ | ४८ | ० | ५ | ४८ | ० | मिद्धि | ५३ २० २६ १ ६ ४८ ११ | |
| २९ | श. | ६ | ३८ | २३ | ६ | ३८ | २३ | ६ | ३८ | २३ | ६ | ३८ | २३ | उत्तात | क. | २६ २ ६ ४८ १२ |
| ३० | भा. | ७ | २८ | ३० | ७ | २८ | ३० | ७ | २८ | ३० | ७ | २८ | ३० | मानस | ५९ १३ २६ ४ ६ ४७ १३ | |
| १ | सो. | ८ | २६ | ४० | ८ | २६ | ४० | ८ | २६ | ४० | ८ | २६ | ४० | मुदगर | तु. | २६ ५ ६ ४७ १४ |
| २ | मं. | ९ | २१ | ० | ९ | २१ | ० | ९ | २१ | ० | ९ | २१ | ० | ध्वज | तु. | २६ ६ ६ ४७ १५ |
| ३ | बु. | १० | १५ | ४५ | १० | १५ | ४५ | १० | १५ | ४५ | १० | १५ | ४५ | घाता | ५ ३२ २६ ८ ६ ४६ १६ | |
| ४ | बृ. | ११ | ११ | ३६ | ११ | ११ | ३६ | ११ | ११ | ३६ | ११ | ११ | ३६ | प्रानन्द | वृ. | २६ ९ ६ ४६ १७ |
| ५ | शु. | १२ | ७ | ३३ | १२ | ७ | ३३ | १२ | ७ | ३३ | १२ | ७ | ३३ | चर | १४ २७ २६ ११ ६ ४६ १८ | |
| ६ | श. | १३ | ४ | ३० | १३ | ४ | ३० | १३ | ४ | ३० | १३ | ४ | ३० | गद | घ. | २६ १३ ६ ४५ १९ |
| ७ | भा. | १४ | ० | २७ | १४ | ० | २७ | १४ | ० | २७ | १४ | ० | २७ | शुभ | २८ १४ २६ १६ ६ ४५ २० | |
| ८ | मो. | ३० | १ | २५ | ३० | १ | २५ | ३० | १ | २५ | ३० | १ | २५ | काण | म. | २६ १९ ६ ४४ २१ |

X आर्यावाट माघव नारायण मला
 शततारकाया ४ भौमः ४५
 भ. २५ ४० उ. ५३ ४७ या.
 उषायां १ अर्कः ४४ (श्री ५ पृथ्वीनारायण जयन्ती)
 b व्रतम् उ. प्र. शंखमूल स्नानम् (द्योचाकुसुम्ह)
 भ. ३८ २३ उ. a रवि स. व्रतम् पुष्यायां १ भौमः १७
 भ. ५१ २७ या. द्विपुष्करः ३१ १८ उ. ३२ ३२ या. a
 उषायां २ मकरेऽर्कः ० ४ माघ संक्रान्तिः सोमाष्टमी b
 भ. ४८ २२ उ. c भौमः ४० पुष्यायां शुक्रः ३
 भ. १५ ४५ या. पुष्यायां बुधः ३८
 षट्तिता ११ व्रतम् उषायां ३ अर्कः १६ पुष्यायां २ c
 प्रदोष व्रतम् d सायनार्कः १४ पूर्वास्ती बुधः ४७
 भ. ४ ५ उ. ३३ ७ या. (लैवहृपूजा) उषायां ३ शुक्रः १६
 दर्शश्राद्धम् उषायां ४ अभिजित्यर्कः ३२ कुम्भे d
 सोमवती मीनी अमावास्या त्रिवेणी स्नान मेला X

| ४० सू. मं. | बु. | वृ. | शु. | भा. | रा. |
|------------|-----|-----|-----|-----|-----|
| ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ | ५१ |
| ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ |
| ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ | ५३ |
| ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ |
| ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ | ५५ |
| ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ | ५६ |
| ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ | ५७ |
| ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ | ५८ |
| ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ | ५९ |

| १ सू. १० | २ सू. १० | ३ सू. १० | ४ सू. १० |
|----------|----------|----------|----------|
| १० | १० | १० | १० |
| ११ | ११ | ११ | ११ |
| १२ | १२ | १२ | १२ |
| १३ | १३ | १३ | १३ |
| १४ | १४ | १४ | १४ |
| १५ | १५ | १५ | १५ |
| १६ | १६ | १६ | १६ |
| १७ | १७ | १७ | १७ |
| १८ | १८ | १८ | १८ |
| १९ | १९ | १९ | १९ |

अथ माघस्नानमन्त्रः—दुःखदादिचरणाया श्रीविष्णोस्तोषणाय च ॥ यातः स्नानं करोम्यद्यमाघेरापविनाशनम् ॥ मकरस्थे रवौमाघे गोविन्दाच्युतमाधवः ॥ स्नानेनानेनमेवेव यथोक्तफलदोभवः ॥ माघमाससूर्याध्ययनमन्त्रः—कुण्डकुन्दपुष्पाहुर्वोदिसहिताति-सवित्रे प्रसवित्रेचपरं वाम जलेमम ॥ स्वत्तेजसापरिश्रष्ट पापंयातुमहस्वघा ॥ माघमासनियमाभिमोशयित होतव्यमाज्यनिलममन्वितम् ॥ हविष्यं ब्रह्मचर्यं च माघमासे महाफलम् ॥ स्नात्वामाघे शुभेतीर्थे प्राप्तवान्तीप्सितफलम् ॥ तिलोस्नायी तिलोद्वर्त्तितिलहोमी तिलोदकी ॥ तिलभुक्तिलदाता च षट्तिता पापनाशनः ॥ वर्जनीयं प्रयत्नेन मूलकं मदिरापमम् ॥ माघस्नानं प्रयागेऽन्यत्रापि प्रयागस्मरणेन महाफलम् ॥ त्रिवेणीस्नानमन्त्रः—त्रिवेण्यां त्रिविधैः पापैर्मुच्येतात्रमंशयः ॥ स्नानाद्भवेन्नसंदेहो ह्येतानारायण स्मृतिः ॥

श्रीशके १९०६ श्रीसंवत् २०४१ माघशुक्लपक्षः (सित्वाथ्व) पा.श्र.घ.पू.भा.कृ. ३।९ (जन. १ फरवरी २) उत्तरायणशिशिरर्तुः

| न. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगा: | चन्द्ररा. | दि. | मा. | स. | उ. | ता. | पूजा | पुभायां | मीने | भीम: | ३।२५ | पायां | २ | मकरबुध: | d | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|------|-------|-----|----|----|------|----|------|-----|----|-----|-----|----|--------|-------|-----------|-----|-----|----|----|------------|------------|-------------|----------|---------|----------------------|----------|---------|---------|--------------|-----------|-------------|-------------|--------|--------------|-------------------|-------------------------|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | १मं. | १। | १५ | न. | श्र. | १६ | ११ | सि. | २२ | ४९ | बा. | ३२ | ५३ | तुम्ब | ४७।५४ | २६ | २२ | ६ | ४४ | २२ | चन्द्रोदयः | द्विपुङ्करः | १६।११ | उ. | घनिष्ठा | पञ्चकाशः | २ | अवर्ण | १ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | १०बु. | २। | ३४ | घ. | १९ | ३८ | व्य. | २१ | ३९ | तै. | ३५ | १९ | मित्र | कुं. | २६ | २५ | ६ | ४३ | २३ | अवर्ण | १ | अर्कः | ४७ | २ | ४७।५४ | पुभायां | ३ | भीम: | ३ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्र. | ११वृ. | ३। | ६५ | ० | २४ | १४ | व. | २१ | १९ | व. | ३८ | ५४ | वज्र | कुं. | २६ | २७ | ६ | ४३ | २४ | भ. | ३८।५४ | उ. | तिलकुण्ड | चतुर्थी | सूर्यास्याभिजित्यागः | b | भ. | १०।५८ | या. | b४० | उषायां | बुधः | ४२ | d३७।२७ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | १२शु. | ४। | १० | ५ | २९ | ५१ | प. | २१ | ४८ | व. | ४३ | २५ | हवांश | १३।२६ | २६ | ३० | ६ | ४२ | २५ | श्रीपञ्चमी | वसन्त | अवर्ण | सरस्वती | जयन्ती | रति | काम | c | घनिष्ठा | पञ्चकपूर्तिः | ३२।३८ | स्कन्दषष्ठी | अवर्ण | २ | अर्कः | c | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्र. | १३सा. | ५। | १५ | ५ | ३४ | ३ | ३ | शि. | २२ | ४९ | को. | ४८ | ३४ | घृघ्न | मी. | २६ | ३३ | ६ | ४१ | २६ | भ. | २६।४० | उ. | ५९।९ | या. | अलवा | सप्तमी | (लग्ना | f | भीमाष्टमी | व्रतम् | भीष्माष्टमी | पू. | उ. | गुरुः | ४७ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | १४आ. | ६। | २१ | १६ | ४२ | ३८ | सि. | २४ | १० | ग. | ५३ | ५८ | वर्द्ध | ४२।३८ | २६ | ३७ | ६ | ४१ | २७ | द्रोण | नवमी | अवर्ण | ३ | अर्कः | १९ | उषायां | १ | भीमः | ५९।४h | शत्यदशमी | j | अवर्ण | बुधः | २० | बुधस्याभिजित्यागः | ५० | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | १५सो. | ७। | २६ | ४० | ४९ | ४ | सा. | २५ | ३१ | भा. | ५९ | ९ | रक्ष | मे. | २६ | ४० | ६ | ४० | २८ | म. | १०।० | उ. | ४० | ५८ | या. | (फरवरी | २ता. | २८) | भीमा | ११j | द्विपुङ्करः | ६।४९ | या. | भीष्मद्वादशी | (सन्यातुली) | अवर्ण | k | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | १६मं. | ८। | ३१ | ३९ | ५४ | ५४ | शु. | २६ | ३२ | बा. | ६० | ० | सुसल | मे. | २६ | ४४ | ६ | ३९ | २९ | प्रतोष | व्रतम् | k४ | अर्कः | ३६ | उषायां | ४ | अभिजिति | गुरुः | ४० | भ. | ३९।९ | उ. | उषायां | २भीमः | ३ | श्रीपशुपतेच्छायादर्शनम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | १७बु. | ९। | ३५ | ५१ | ६० | ० | शु. | २७ | ० | वा. | ३४ | ५ | सिद्धि | ११।१४ | २६ | ४७ | ६ | ३९ | ३० | म. | ७।४१ | या. | पूर्णिमा | व्रतम् | श्रीस्वस्थानि | व्रतम् | तथा | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

पूजापूमायां श्रीनेमीमः ३४।२५ उपायां २मकरेबुधः d
चन्द्रोदयः द्विपुष्करः १६।११ उ. घनिष्ठा पञ्चकारम्भः a
श्रवणे १ अर्कः ४७ a ४७।५४ पूमायां ३ भीमः ३
भ. ३८।५४ उ. तिलकुच्छचतुर्थी सूर्यास्वामिजित्यागः b
भ. १०।५८ या. b ४० उपायां बुधः ४२ d ३७।२७
श्रीपञ्चमी वसन्त श्रवण सरस्वती जयन्ती रति कामः
घनिष्ठा पञ्चकपूर्तिः ३२।३८ स्कन्दषष्ठी श्रवणे २ अर्कः c
भ. २६।४० उ. ५९।९ या. अलवा सप्तमी (लग्ना f
भीमाष्टमी व्रतम् भीष्माष्टमी पू. उ. गुरुः ४७
द्रोण नवमी श्रवणे ३ अर्कः १९ उपायां १ भीमः ५९।४५
शत्यदशमी j व. श्रवणेबुधः २० बुधस्याभिजित्यागः ५०
म. १०।० उ. ४०।५८ या. (फरवरी २ ता. २८) भीमा ११ j
द्विपुष्करः ६।४९ या. भीष्मद्वादशी (सत्यादुली) श्रवणे k
प्रदोष व्रतम् k ४ अर्कः ३६ उपायां ४ अमिजितिगुरुः ४०
भ. ३९।९ उ. उपायां २ भीमः ३२ श्रीपशुपतेच्छायादर्शनम्
म. ७।४१ या. पूर्णिमा व्रतम् श्रीस्वस्थानि व्रतम् तथा ।

| मं. | मं. | वृ. | वृ. | शु. | शु. | भा. | रा. |
|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| मा. ११० | ८ | ९ | १० | ७ | १ | | |
| १२ ११ २९ | २७ | ४ | २८ | २ | ० | ३३ | |
| ग. ३४ ५ | ४५ | ४५ | १० | २८ | ९ | | |
| ६४ ७ २५ | ४८ | ५२ | ३७ | १० | १६ | | |
| २० ६ १४ ४ | १०४ | १३ | ५६ | ३ | ३ | | |
| १८ ६ १५ | २४ | ५१ | ३० | ५७ | ११ | | |

| मं. | मं. | वृ. | वृ. | शु. | शु. | भा. | रा. |
|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| मा. १९ ११ | ९ | ९ | ११ | ७ | ० | | |
| १९ १८ ४ | १० | ६ | ४ | २ | २९ | | |
| ग. ४३ ९ | ० | २१ | ३३ | ५३ | ४६ | | |
| ६ १४ ३६ | ५२ | ४४ | ३१ | ४६ | ५० | | |
| ०० ६० ४३ | १०७ | १३ | ५२ | ३ | ३ | | |
| २६ ५९ ५७ | २७ | ४७ | २ | १७ | ११ | | |

| | | |
|-------------------------------------|------------|------|
| मं. शु. ११ | वृ. ९ | श. ८ |
| १२ | सू. बु. १० | क. ५ |
| १ | ७ | ६ |
| रा. २ | ४ | ५ |
| ३ | | |
| मं. मा. उ. बु. मा. अ. वृ. मा. १६ उ. | | |
| शु. मा. उ. प. मा. उ. × रा. १ के. ७ | | |

अथ पञ्चम्यां हलप्रवाहो हलपूजनां चेति शिष्टाचारः श्री ५ मा सरस्वतीपूजा, वसन्त श्रवण वसन्तोत्सव मनाउनाले गार्हस्थ्य जीवनमा सुखशा-
न्ति मिलदछ । रथ सप्तमीमा गंगास्नान गन्तलि महाफल मिलदछ । माघ मासे नियमाः तिलजलस्नान, तिल पिसेरलेपन, तिलइवन, तिलजलपान, तिलदान,
तिलमोदक भोजन, ई ६ प्रकारले तिल सेवन गन्तलि पापनाश हुन्छ । प्रातः स्नान माघव भगवानको पूजा भूमिशायाीहुन अग्निसेवन नगर्नु
f चयके)मन्वादिः कृतिः १ मेघे राहु वि. ३ तुलायां केतुः १४।३९ h उपायां ४ अभिजिति बुधः २८ उपायां शुक्रः ५६
। माघस्नानरुच पूर्तिः (मिपुन्ही) धनि. १ अर्कः ५२
०४ भीनेशुकः १५।४७

श्रीशके १९०६ श्रीवि.सं. २०४१ फाल्गुन कृष्णपक्षः (सिल्लागा) पा.९ह.वि. १६ अनु.श्र.ध.श. (फरवरी २) उत्तरायणं शिशिरर्तुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगः | च. | रा. | वि. | मा. | सु. | उ. | ता. |
|----|-----|-----|----|----|-------|----|----|-----|-------|----|----------|-----|----|------|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| २४ | बु. | १ | ३२ | २० | अ. | ६ | ७ | सो. | ४ | १६ | रश | ६। | ७ | २७ | ११ | ६ | ३४ | ७ | | | |
| २५ | बु. | २ | २७ | ४१ | म. | ३ | २९ | अ. | ५ | १३ | मसल | नि. | २७ | १४ | ६ | ३३ | ७ | | | | |
| २६ | शु. | ३ | २२ | २६ | पू. | ४ | १६ | सु. | ४४ | ७ | सिद्धि | १४ | १३ | २७ | १५ | ६ | ३३ | ८ | | | |
| २७ | श. | ४ | १६ | ४६ | ह. | ५ | २१ | घ. | ३६ | २४ | मृत्यु | कं. | २७ | २१ | ६ | ३२ | ९ | | | | |
| २८ | आ. | ५ | १० | ५४ | चि. | ४ | २० | शु. | २८ | ३२ | पद्म | २० | १३ | २७ | २४ | ६ | ३१ | १० | | | |
| २९ | सो. | ६ | ४ | ६३ | स्वा. | ४ | १० | गं. | २० | ४३ | छत्र | २६ | १२ | २७ | ३१ | ६ | ३० | ११ | | | |
| १ | मं. | ७ | ५४ | ७ | वि. | ४ | ० | ३२ | बु. | १३ | श्रीवत्स | २६ | १२ | २७ | ३१ | ६ | ३० | १२ | | | |
| २ | बु. | ९ | ४९ | २७ | अ. | ३ | ७ | २४ | ध्रु. | ५ | सौम्य | वृ. | २७ | ३४ | ६ | २९ | १३ | | | | |
| ३ | बु. | १० | ४५ | ३३ | ज्ये. | ३ | ५ | १६ | ९ | व. | १७ | काल | ३५ | १ | २७ | ३५ | ६ | २८ | १४ | | |
| ४ | शु. | ११ | ४२ | ३४ | मू. | ३ | ३ | ३२ | व. | ४७ | स्थिर | घ. | २७ | ४१ | ६ | २८ | १५ | | | | |
| ५ | श. | १२ | ४० | ४२ | पू. | ३ | ३ | ७ | सि. | ४३ | मातङ्ग | ४८ | १७ | २७ | ४५ | ६ | २७ | १६ | | | |
| ६ | आ. | १३ | ४० | २ | उ. | ३ | ३ | ४६ | व्य. | ४० | अमृत | म. | २७ | ४९ | ६ | २६ | १७ | | | | |
| ७ | सो. | १४ | ४० | ३९ | अ. | ३ | ५ | ४४ | व. | ३७ | सिद्धि | म. | २७ | ५३ | ६ | २५ | १८ | | | | |
| ८ | मं. | ३० | ४२ | ३२ | घ. | ३ | ८ | ७ | प. | ३६ | उत्तरा | ७ | २० | २७ | ५६ | ६ | २५ | १९ | | | |

a सौमाष्टमी व्रतम् कुम्भेबुधः ३०।१९
d त्रिभुवनजयन्ती) भीमसायनांकः ४४
म. ५५।३ उ. b (शिलाचहो) रेवत्यां १भीमः ५७ c
म. २२।२६ या. उभायां ३भीमः ५७ घनिष्ठायानुषः ४६
घनिष्ठायानुषः १० c अक्वणे १गुरुः १२ रेवत्यां शुक्रः ९
अनुराधायां १शनिः २१
म. ५।१ उ. ३२।११ या.
घनिष्ठायानुषः ३ कुम्भेज्जः २६।२२ फाल्गुन संक्रातिः ५
उभायां १भीमः २३ c कायां १अर्कः १६।२२ युगादिः
म. १७।३० उ. ४५।३३ या.
विजया ११ व्रतम् घनिष्ठायानुषः ४ अर्कः ४४
विषुवकरः ३३।७ उ. ४०।४२ या. शततारकायां बुधः १५
म. ४०।२ उ. प्रदोष व्रतम् श्रीमहाशिवरात्री व्रतम् b
म. १०।२० या (नेपालप्रजातन्त्र दिवसस्तथा श्री ५ d
घनिष्ठा पञ्चकारम्भः ७।२० दर्शभाद्रम् शततार- c

| मं. | सु. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| १ | ११ | १ | ११ | ७ | ० | | |
| २ | २५ | १ | २२ | ७ | १० | ३ | २९ |
| ३ | ५० | ३३ | ३४ | ५९ | २५ | १४ | २४ |
| ४ | २२ | ३४ | २२ | ४५ | ५९ | ४७ | ४४ |
| ५ | ६० | ४३ | १० | १३ | ४७ | २ | ३ |
| ६ | ५१ | ५१ | २८ | ४१ | ४५ | २६ | ११ |
| मं. | सु. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
| ७ | १० | ११ | १० | ११ | ७ | ० | |
| ८ | २ | १४ | ५ | १५ | ३ | २९ | |
| ९ | ५६ | ४५ | ३ | ४६ | २८ | ३१ | २ |
| १० | २३ | ४९ | ३ | ५७ | ४६ | २ | २८ |
| ११ | ६० | ४२ | १० | १३ | ४७ | २ | ३ |
| १२ | ४७ | ४७ | २१ | ३२ | २४ | ४ | ११ |



विवाह व्रतवन्धमा सूर्य-चन्द्र वृहस्पति जुगउदा

| | शुभस्थान | पुज्यस्थान | निदिता स्थान |
|--------|------------|------------|--------------|
| सूर्य | ३।६।१०।११ | १।२।५।७।९ | ४।८।१२ |
| चन्द्र | २।५।७।९।११ | १।२।५।९ | ४।८।१२ |
| गुरु | २।५।७।९।११ | १।३।१०।३ | ४।८।१२ |

सूर्य चन्द्रगुरु जुराउनेतरिका—कर्मगरिने कुमार बर, कथ्याको राशिवाट गणना गर्नु पर्छ । कन्यालाई वृहस्पति कुमारलाई व्रतवन्धमा वृ.र.सू. जुराउनु । विवाहमा बरलाई वृ. जुराउनु पर्दैन सूर्यगुरु हुन्छा चन्द्रमा सबैमा जुराउनु पर्छ । ४।१२ परे मा आवश्यक पर्दा विशेष पूजा गोसुवर्णदान गरेर गर्नु बाधापर्दैन

श्रीशके १९०६ श्री वि.सं. २०४१ फाल्गुन शुक्लपक्षः (चिल्लाथव) पा०-श.रे.२.कृ.३.हले.उफा. (फर. २, मार्च ३) उत्तरायण शिशिरर्तुः

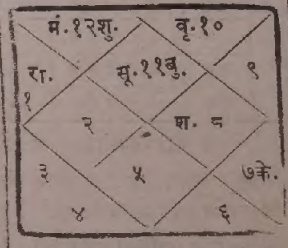
| म. | वा. | ति. | च. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगः चन्द्ररा. | दि. | मा. | सू. | उ. | ता. |
|--------|------|-----|-----|----|----|-------|----|-----|-----|----|----|--------|------|----------------|-----|-----|-----|----|-----|
| १.बु. | १४५ | ३७ | ग. | ४३ | १८ | शि. | ३५ | ३५ | कि. | १४ | ४ | मानस | कुं. | २८ | ० | ६ | २४ | 20 | |
| १०.बु. | २४९ | ४५ | गु. | ४८ | ४४ | सि. | ३५ | ५३ | बा. | १७ | ४१ | मुद्गर | ३२ | १२२ | २८ | ४ | ६ | २३ | 21 |
| ११.शु. | ३५४ | ३९ | उ. | ५४ | ५० | मा. | ३६ | ४८ | तै. | २२ | १२ | ध्वज | मी. | २८ | ८ | ६ | २२ | 22 | |
| १२.श. | ४६० | ० | रे. | ६० | ० | शु. | ३८ | ५८ | नव. | २७ | २० | धाता | मी. | २८ | १२ | ६ | २२ | 23 | |
| १३.आ. | ५० | १ | रे. | १ | २ | शु. | ३९ | ३७ | ब. | ३२ | ४० | वर्द्ध | १२ | २४ | २८ | १६ | ६ | २१ | 24 |
| १४.मो. | ५५ | २० | म. | ७ | ५५ | ब. | ४० | ४९ | कौ. | ३७ | ४६ | रक्ष | मे. | २८ | २० | ६ | २० | 25 | |
| १५.मं. | ६१० | १३ | म. | १३ | ५९ | रे. | ४१ | ३४ | ग. | ४२ | १५ | मुसल | ३० | १८ | २८ | २४ | ६ | १९ | 26 |
| १६.बु. | ७१४ | १८ | कृ. | १९ | १५ | वै. | ४१ | ३४ | म. | ४५ | ४९ | सिद्धि | वृ. | २८ | २९ | ६ | १८ | 27 | |
| १७.बु. | ८१७ | २१ | रो. | २३ | ३४ | वि. | ४० | ४४ | बा. | ४८ | १४ | उत्पात | ५५ | १७ | २८ | ३३ | ६ | १८ | 28 |
| १८.शु. | ९१९ | ८ | मू. | २६ | ४० | प्री. | ३८ | ५५ | तै. | ४९ | २४ | मानस | मि. | २८ | ३७ | ६ | १७ | 1 | |
| १९.श. | १०१९ | ४० | आ. | २८ | २८ | जा. | ३६ | ५८ | नव. | ४९ | १७ | मुद्गर | मि. | २८ | ४१ | ६ | १६ | 2 | |
| २०.आ. | १११८ | ५४ | गु. | २९ | ४ | मो. | ३२ | २३ | ब. | ४७ | ५५ | ध्वज | १३ | ५५ | २८ | ४६ | ६ | १५ | 3 |
| २१.सो. | १२१६ | ५६ | ति. | २८ | ३३ | शो. | २७ | ४२ | कौ. | ४५ | २४ | धाता | क. | २८ | ५० | ६ | १४ | 4 | |
| २२.मं. | १३१३ | ५३ | म. | २६ | ५८ | अ. | २२ | ९ | ग. | ४१ | ५४ | आनन्द | २६ | ५८ | २८ | ५४ | ६ | १३ | 5 |
| २३.बु. | १४९ | ५५ | प. | २४ | ३१ | सु. | १५ | ५४ | म. | ३७ | ३२ | चर | सि. | २८ | ५८ | ६ | १२ | 6 | |
| २४.बु. | १५८ | ५६ | पु. | २१ | २० | बु. | ९ | ३ | बा. | ३२ | २९ | गद | ३५ | २५ | २९ | ८ | ६ | १२ | 7 |

दक्षीणवाहः पूमायां २ अर्कः ३६० अत्रणे २ गुरुः २१
 प्राशनम् (धुलया) वक्रो शुक्रः ३४
 चन्द्रोदयः अभिजिन्निवृत्ति-गुरुः १२ पश्चिमोदितो बुधः ३७
 शततारकायां २ अर्कः २० रेवत्यां २ भौमः २६
 म. २७।२० उ. पूमायां बुधः ५९।३८
 म. ०।१ या. धनिष्ठा पञ्चकपूर्तिः १।२४
 शततारकायां ३ अर्कः ३८
 त्रिपुंकरः १३।५९ उ. रेवत्यां ३ भौमः ५५
 म. १४।१८ उ. ४५।४९ या.
 अष्टमीव्रतम् होलिकारम्भः चिरोत्थानं (चीस्वाये) a
 (मार्च ३ ता० ३१) अमततारकायां ४ अर्कः ५७
 म. ४९।१७ उ. पूमायां ४ मीने बुधः १५।४५
 म. १८।५४ या. त्रिपुंकरः १८।५४ उ. २९।४ या. b
 सोमप्रदोषव्रतम् पूमायां १ अर्कः १६ उभायां बुधः २४८
 आमलकी ११ व्रतम् रेवत्यां ४ भौमः ३०
 म. १।५५ उ. ३७।३२ या. पूर्णिमा व्रतम् भद्रान्ते d
 मन्वाविः (होलिपुन्ही) वसन्तादि तैलाभ्यङ्गम् व्रतकुसुमं

| ४६ | सू. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| फा. | १० | ११ | १० | ९ | ११ | ७ | ० |
| ११ | १० | १९ | १७ | ११ | १९ | ३ | २८ |
| ग. | ११ | १६ | १२ | ८ | ३६ | ४१ | ४० |
| ६ | १७ | २१ | ५ | ४३ | ४२ | ५९ | ११ |
| २० | ६० | ४३ | १०२ | १३ | ३१ | १ | ३ |
| ५९ | ३१ | ३७ | ७ | २१ | ६ | ० | ११ |

| ४७ | सू. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| फा. | १० | ११ | १० | ९ | ११ | ७ | ० |
| १८ | १७ | २५ | २८ | १२ | २२ | ३ | २८ |
| ग. | ४ | ६ | ३४ | ४१ | २४ | ४७ | १७ |
| ६ | १२ | २७ | २३ | २५ | २२ | ४९ | ५५ |
| २१ | ६० | ४३ | १४ | १२ | १७ | ० | ३ |
| १९ | १९ | ३५ | ५२ | ५४ | ३८ | १९ | ११ |

१९ बु. १२



मं. मा. उ. बु. मा. १० उ. बु. मा. उ.
 शु. २४ व. उ. प. मा. उ.

मंगल पुष्टिवर्द्धनः ॥ ६ ॥ मंगल मधुरानाथो मंगल दक्षनायकः । मंगलं रुविमणीनाथ मंगलं शोभनिप्रियः ॥ ७ ॥ मंगलं गोकुलाधीशो मंगलं देवका सुतः मंगलं लोक सारज्ञी मंगलं धर्मवर्द्धनः ॥ ८ ॥ मंगलं सर्वशास्त्रज्ञो मंगलं साधुवल्लभः ॥ ९ ॥ इदं स्तोत्रं महादिव्यं महामंगलकारकम् । व्यासेन कथितं पूर्वं महापातक नाशनम् ॥ ११ ॥ यः पठेत्प्रातस्तथायस्नान कालेनरोत्तमः अचरते परमेश्वर्यं लभतेनात्र संशयः ॥ १२ ॥ भवेद्द्वर्षशता युञ्ज सर्वरोगविवर्जितः मूच्यते सर्वपापेभ्यो विष्णु लोकं सगच्छति ॥ १३ ॥ इति मंगलीकरणं स्तोत्रं प्रातः नित्यं पाठ्यमिति मंगल मयजीवनं व्यतीतगरेर पापमुक्तं विष्णुलोकं अन्यमामिलनेष्ट ।

श्रीशके १९०६ श्री सं. २०४१ चैत्र कृष्णपक्षः (चिल्लागा) पा० उफा चि.वि. १६ अनु. प्र. घ. उभाः (मार्च ३) उत्तरायणं शिशिरर्तुः, वसन्तर्तुः

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योग. | च. | रा. | दि. | मा. | सु. | उ. | ता. |
|----|-----|-----|----|-------|-----|----|------|-----|----|-----|-----|----|----------|--------|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|
| २५ | शु. | २५ | ५ | उ. | १७ | ३९ | शु. | १७ | ३९ | शु. | १७ | ३९ | शु. | १७ | ३९ | शु. | १७ | ३९ | शु. | १७ | ३९ |
| २६ | श. | ३४ | ९ | ह. | १३ | ३८ | बु. | ४६ | २० | व. | २१ | ७ | मृ. | ४१ | ३३ | २९ | ११ | ६ | १० | ९ | १० |
| २७ | आ. | ४४ | १२ | चि. | ९ | २९ | घु. | ३८ | ३२ | ब. | १५ | १० | पद्म | ४७ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० | १० |
| २८ | सो. | ५३ | २९ | स्वा. | ५ | २६ | व्या | ३० | ५८ | को. | ९ | २० | छत्र | ४७ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० | १० |
| २९ | मं. | ६३ | ११ | वि. | ८ | ३३ | ह. | २३ | ४२ | ग. | ४३ | ३३ | श्रीवत्स | ५४ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० | १० |
| ३० | बु. | ७२ | ३१ | ज्ये. | ५५ | ५२ | व. | १६ | ५४ | वा. | ५४ | ३३ | ध्वांस | ५५ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० | १० |
| १ | बु. | ८२ | ३६ | मू. | ५४ | ९ | सि. | १० | ४१ | तै. | ५० | ३६ | धूम्र | ५६ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० | १० |
| २ | शु. | ९१ | ३७ | पू. | ५३ | २९ | व्य. | ५ | ३३ | व. | ४८ | ४० | वह्न | ५७ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० | १० |
| ३ | श. | १० | १७ | ४४ | उ. | ५३ | ५३ | व. | ४३ | ३३ | ब. | ४७ | २४ | रक्ष | ५८ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० |
| ४ | आ. | ११ | १७ | ५ | श. | ५५ | ३४ | शि. | ५४ | १३ | को. | ४७ | २२ | गद | ५९ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० |
| ५ | सो. | १२ | १७ | ४० | घ. | ५८ | २९ | सि. | ५२ | ३० | ग. | ४८ | ३६ | शुभ | ६० | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० |
| ६ | मं. | १३ | १९ | ३३ | श. | ६० | ० | सा. | ५१ | ४७ | भ. | ५१ | ५ | मृत्यु | ६१ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० |
| ७ | बु. | १४ | २२ | ३७ | श. | २३ | ५४ | शु. | ५१ | ५४ | च. | ५४ | ३९ | मानस | ६२ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० |
| ८ | वृ. | ३० | २६ | ४२ | पू. | ७ | ४७ | शु. | ५२ | ४४ | कि. | ५९ | ८ | मुग्ध | ६३ | ३८ | २९ | १९ | ६ | ९ | १० |

अश्विन्यां १ मेघे भौमः २।४८ a (कुतु च्यां च्यां)
 भ. २१।७ उ. ४८।९ या. बक्री शनिः ४ c या.
 पूभायां ३ अर्कः ५६
 d ४१ (पाशा चहे पूजा) पिशाच चर्तुदशी
 भ. ३१।१३ उ. ५८।५२ या. अश्विन्यां २ भौमः ३५
 अष्टमी व्रतम् b १ अर्कः ३७ अश्विन्यां ३ भौमः १३
 पूभायां ४ मोनेः १६।२१ चैत्र संक्रान्तिः शीतलाष्टमी
 भ. ४८।४० उ. रेवत्यां बुधः ३८ c ४ भौमः ५०
 भ. १७।४४ या.
 द्विपुष्करः ५५।३४ या. पाप मोचनी १ व्रतम् उभायां b
 सोम प्रदोष व्रतम् घनिष्ठा पञ्चकारम्भः २७।१
 भ. १९।३३ उ. ५१।५ या. वाणि योगः १९।३३ c
 उभायां २ अर्कः ५९ श्रवेण ३ गुरुः ११ मेघे सायनाः d
 मन्वादिः दशं श्राद्धम् अश्व (घोडा) यात्रा अश्विन्यां c

| ४८ | सू. | मं. | बु. | गु. | शु. | मं. | रा. |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| १० | ० | ११ | ९ | ११ | ७ | ० | ० |
| २५ | २४ | ० | ५ | १४ | २३ | ३ | २७ |
| ५ | १३ | ३७ | १२ | ३५ | ५० | ५५ | ५५ |
| ६ | २९ | ३६ | २० | ३४ | ४९ | ५६ | ३८ |
| २१ | ६० | ४३ | ८२ | १२ | ३० | ३ | ३ |
| ३६ | ६२५ | १० | २९ | १४ | ३१ | ११ | ११ |

| ४९ | सू. | मं. | बु. | गु. | शु. | मं. | रा. |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| ११ | ० | ११ | ९ | ११ | ७ | ० | ० |
| २ | १५ | १६ | १५ | २२ | ३ | २७ | २७ |
| ५ | २० | २४ | ४० | ४८ | ४७ | ३३ | ३३ |
| ६ | १४ | ५६ | ३३ | ३२ | १७ | २१ | २१ |
| २१ | ५९ | ४३ | ५७ | १२ | १४ | ० | ३ |
| ५४ | ५२ | १३ | ९ | ४ | २२ | ११ | ११ |

२५ मं. १. १ सू. १२

| मं. | १२ | शु. | १० | वृ. |
|-----|----|-----|----|-----|
| १ | ११ | सू. | ९ | ९ |
| २ | २ | ५ | ७ | के. |
| ३ | ४ | ६ | | |

मं. मा. उ. बु. मा. उ. वृ. मा. उ.
 शु. व. उ. प. श. २६ व. उ.

अथ चौरभस्मधारणमन्त्रः—वन्दितासिमुद्रेण ब्रह्मणाशङ्करेण च ॥ अतस्त्वेपाहिनीदेवीभूतेभूति प्रदाभव ॥ चूतपुष्पप्राशनमन्त्रः—चूतमर्घ्यं वसन्तस्पर्शमाकन्द कुसुमं तव ॥ सचन्दनं पित्राम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये ॥ अयगृहनिर्माणमण्डलेशानयनम्—स्वामीहस्त प्रमाणेन दोषं विस्तर संयुतम् ॥ द्विगुणचाष्टभि संस्तमण्डलाधिपउच्यते ॥ इन्द्रोविष्णुर्यमोवायुः कुबेरोब्रह्मर्जतिस्तथा ॥ विधाताविघ्नराजस्वमण्डलेशः प्रकीर्तितः ॥ रविशशिपरिवर्षफलम्—रविशशिपरिवर्षो ह्याद्य यामेचपीडा ॥ रविशशिपरिवर्षो वृष्टिः क्ताद्वितीये ॥ रविशशिपरिवर्षो धन्यना गस्तृतीये ॥ रविशशिपरिवर्षो अश्वत्थभङ्गश्चतुर्थे ॥ तपापिष्वेतं शुभकरं यज्ञे मनीलवर्णे—महावृष्टिः ॥ कृष्णधूम्रादिवर्णनेष्टमिति ज्ञेयम् ॥ संक्रान्तिवादीस्तानफलमाह—संक्रान्ति व्यतीपाते ग्रहणो वन्द्यसूर्ययोः ॥ पुण्येस्तात्वातुगङ्गायां कुलकोटि समुदरेत् ॥

५० सु. मं. बु. गु. शु. सा. रा.

d ११व्रतम् दोलोत्सवः भरण्यां ४राहु विशाखां २केतुः
 वसन्तादितिलाभ्यङ्गम् निम्बपत्र प्राशनम् (चोवा a
 चन्दोदयः घनिष्ठा पञ्चकपूर्तिः २० १८ a हान्पूर्व)
 मन्वादिः मत्स्य जयन्ती गौरीव्रतम् उभायां ३अर्कः b
 भ. १४ १८ उ. ४६ १५ या. b श्वेतमच्छेन्द्रश्रयाः (जमया
 कल्पादिभरण्यां १भौमः २७ अनुमन्जयन्तीवै. स्तानारम्भ
 उभायां ४अर्कः ४२ पश्चिमास्तः ४ १ b २ ० ब्रह्मीबुधः २ ५
 भ. ५ ५ १ २ ५. वक्रैण उभायां शुक्रः १६ c प्राशनम् श्री
 भ. २ ५ १ ३ ७ या. चैत्राष्टमीत्र. मवाभ्युत्पत्तिं अशोककलिक
 श्रीरामनवमी व्रतम् वक्रैण विशाखायां ४शनिः २ ५
 रेवत्यां १अर्कः ५ भरण्यां २भौमः ६ पश्चिमास्तः शुक्र ३
 भ. २ १ १ ८ उ. ४ ५ १ ४ या. (अप्रिल ४ ता. ३ ०) कामदा
 दमनोत्सवः m १ नं. नुवाकोटदेवीयात्रा) मन्वादिः
 प्रदोष व्रतम् अनुजव्रतम् रेवत्यां २अर्कः २ ७ उभायां बुधः
 भ. ३ ५ १ २ ४. भरण्यां ३भौमः ४६ पूर्वादितः शुक्रः
 भ. २ १ ३ ७ या. पू. व्रतम् (वालाज्य २ २ धारा स्नान प.

[illegible]

मा
ई
प्ति
उ.

१२
३
१
६
५
के.७

८
श.

श्रीशके १९०७ श्रीसंवत् २०४१ वैशाख कृष्णपक्षः (चौलागा) पा. वि. १७ (अप्रैल ४) उत्तरायणं वसन्तर्तुः

| ग. | रा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | पो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चन्द्ररा. | दि. | मा. | सू. | उ. | ता. |
|----|-----|-----|----|----|-----|----|----|-----|----|----|-------|----|----|-------|-----------|-----|-----|-----|----|-----|
| २४ | ग. | १ | २३ | ३४ | वि. | ३० | ४८ | या | ५० | ३५ | काण | २१ | २२ | ५४६ | ६ | २१ | २२ | ५४६ | ६ | २१ |
| २५ | ग. | २ | १७ | ३३ | वि. | २६ | ४३ | न. | ५० | ३५ | लुम्ब | २१ | २२ | ५४६ | ७ | २१ | २२ | ५४६ | ७ | २१ |
| २६ | गो. | ३ | ११ | ४६ | वि. | २२ | ५३ | स. | ४३ | २१ | मिष | २१ | २२ | ५४६ | ८ | २१ | २२ | ५४६ | ८ | २१ |
| २७ | मं. | ४ | ६ | २४ | म. | १९ | २९ | म. | ३६ | २७ | वज्र | २१ | २२ | ५४६ | ९ | २१ | २२ | ५४६ | ९ | २१ |
| २८ | कु. | ५ | १७ | ३३ | म. | १६ | ४३ | म. | ३० | २५ | वृषा | २१ | २२ | ५४६ | १० | २१ | २२ | ५४६ | १० | २१ |
| २९ | वृ. | ७ | ५४ | ३५ | म. | १४ | ४९ | म. | २४ | ३१ | धूम्र | २१ | २२ | ५४६ | ११ | २१ | २२ | ५४६ | ११ | २१ |
| ३० | गु. | ८ | ५२ | ३७ | म. | १३ | ५३ | म. | १९ | ४४ | वृषा | २१ | २२ | ५४६ | १२ | २१ | २२ | ५४६ | १२ | २१ |
| १ | ग. | ९ | ५१ | ३८ | म. | १४ | ५४ | म. | २५ | ४५ | चर | २१ | २२ | ५४६ | १३ | २१ | २२ | ५४६ | १३ | २१ |

द्विपुष्करः २३।३४ उ. ३०।४८ या. (बुगन्तर्वै) रेवत्यां २
 म. ४४।३९ उ. श्रवणे ४ गुरुः ४२ a ३ अर्कः ५०
 म. ११।४६ या. (सकोया)
 भरण्यां ४ भीमः २१ मङ्गल चौथी
 म. ५७।३९ उ. रेवत्यां ४ अर्कः १५
 म. २६।७ या. b विश्वध्वजपातनम्
 अष्टमी व्रतम् पूर्वोदितो बुधः ५० विश्वध्वजोत्थानम्
 अश्विन्यां १ मेषार्कः ३८।४६ वैशाख संक्रान्तिः b

| १ | सू. | मं. | बु. | वृ. | सू. | रा. | रा. |
|---|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| १ | ० | ० | ११ | ९ | ११ | ७ | ० |
| २ | ० | २६ | १० | २० | ५ | २ | २६ |
| ३ | ० | १६ | १७ | ५४ | ३१ | ३६ | ० |
| ४ | ० | ५९ | ० | ४६ | ४८ | ५ | १४ |
| ५ | ५८ | ४२ | ७ | ९ | १६ | ४ | ३ |
| ६ | ४४ | ३० | १७ | १४ | १ | ६ | ११ |

१ सू. १

| | |
|---|------------------|
| २ | १२३४ |
| ३ | रा. १ मं. सू. ११ |
| ४ | १० वृ. |
| ५ | ७ के. |
| ६ | ८ श. |

अथ चौरप्रसन्नवक्त्रम्

ज्योत्स्नानम्

| ल. | चौरः | ब्राह्मणः | क्षत्रियः | वैश्यः | शूद्रः | स्वजनः | कुलराजा | पुत्रोवाभा. | भृत्यः | कुरांगना | शत्रुः | मेषकः | भूमिगतः |
|----|------|-----------|-----------|--------|--------|--------|---------|-------------|--------|----------|--------|-------|---------|
| १ | अधलो | मदलो | मध्यलो | महा. | पु. | श्र. | कु. | उ. | भा. | म. | फा. | न. | प्रामि |
| २ | ध. | ति. | रो. | पु. | बा. | वि. | उ. | फा. | रे. | भी. | ल. | पु. | दि. |
| ३ | अधलो | मदलो | मध्यलो | महा. | पु. | श्र. | कु. | उ. | भा. | म. | फा. | न. | प्रामि |
| ४ | ध. | ति. | रो. | पु. | बा. | वि. | उ. | फा. | रे. | भी. | ल. | पु. | दि. |
| ५ | अधलो | मदलो | मध्यलो | महा. | पु. | श्र. | कु. | उ. | भा. | म. | फा. | न. | प्रामि |
| ६ | ध. | ति. | रो. | पु. | बा. | वि. | उ. | फा. | रे. | भी. | ल. | पु. | दि. |
| ७ | अधलो | मदलो | मध्यलो | महा. | पु. | श्र. | कु. | उ. | भा. | म. | फा. | न. | प्रामि |
| ८ | ध. | ति. | रो. | पु. | बा. | वि. | उ. | फा. | रे. | भी. | ल. | पु. | दि. |
| ९ | अधलो | मदलो | मध्यलो | महा. | पु. | श्र. | कु. | उ. | भा. | म. | फा. | न. | प्रामि |
| १० | ध. | ति. | रो. | पु. | बा. | वि. | उ. | फा. | रे. | भी. | ल. | पु. | दि. |
| ११ | अधलो | मदलो | मध्यलो | महा. | पु. | श्र. | कु. | उ. | भा. | म. | फा. | न. | प्रामि |
| १२ | ध. | ति. | रो. | पु. | बा. | वि. | उ. | फा. | रे. | भी. | ल. | पु. | दि. |

पूज्येति स्थिततौ स्थिरभागेतनं निज-
 जनेन गृहीतम् ॥ वैश्वतोऽन्तिकगतं चर-
 लाने दुरंगपर जनेतुनीतम् ॥ इद्यमे
 निकटवर्तिजनेन नातिदुर्गममितिदसनीतम् ॥
 उद्धृतेस्मरपतो स्वगृहे वा चौर्यकर्म निपुणः
 स सदैव ॥ लग्नोद्य सदैवी कथयन्ति-
 जातिमस्यवयसः प्रमिति च ॥

अभिनव वर्षको शुभकामना र सविनय अनुरोध—

पञ्चाङ्गनिर्णायक समितिले ज्योतिष र धर्मशास्त्रका निदानहरू
 र अन्य संबंधित महानुभावहरूको सहयोगलाई बैठकगरी ब्रत-
 पर्व चाडवाड मूर्त गणित निर्णयगरी पञ्चाङ्गकर्ता पं० प्राणनाथ-
 तनुज पञ्चानांभ त्रिपाठीलाई हिमाल पंचांग भन्ने वहाँको आपनैपञ्चाङ्ग प्रकाशितगर्न स्वीकृति
 प्रदान गरेकोछ । पञ्चाङ्गनिर्णायकसमितिलाई निर्णीत पञ्चाङ्ग उपयोग गर्नुहुन र मुद्रणादि वाट
 कुनै सन्देह पर्ने गणमा त्यसविषयमा यस समितिलाई कृपया यथाशीघ्र समय मी प्रथमत अवगत
 दिई सहयोग गर्नु हुन पनि सर्वमहानुभावहूसंग यस समितिले सविनय अनुरोध गर्दछ ।

१६/२२९ ज्योतिर्निवास,
 बलायवा ललितपुर
 नेपाल फो० नं० २११५९

पि. भक्त...

अध्यक्ष-पञ्चाङ्ग निर्णायक समिति ।